RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:176 ता. 01 जनवरी 2024, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मन की बात में मोदी का मेंटल-फिजिकल हेल्थ पर जोर

अक्षय बोले- एक्टर्स जैसी बॉडी न बनाएं, आनंद ने कहा- 4-5 नहीं, 7 घंटे सोए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 108वें एपिसोड पर देश को संबोधित किया। मोदी ने कार्यक्रम में मुख्य रूप से फिट इंडिया अभियान पर चर्चा की। उन्होंने चेस ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद और एक्टर अक्षय कुमार से मेंटल और फिजिकल हेल्थ की टिप्स सुनवाई।

पीएम ने 108वें एपिसोड की शुरुआत 108 अंक के महत्व के बारे में बताते हुए की। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 108 अंक का महत्व, उसकी पवित्रता एक गहन अध्ययन का विषय है। 108 बार मंत्र जपा जाता है। मंदिरों में 108 सीढ़ियां होती है। इसलिए ये एपिसोड मेरे लिए और खास हो गया है।

इसके बाद मोदी ने फिट इंडिया, फिजिकल हेल्थ, मेंटल हेल्थ और न्यूट्रीशन को लेकर लंबी चर्चा की। उन्होंने कहा- भारत के प्रयास से 2023 को

इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के रूप में मनाया गया।

मोदी ने आखिर में श्रीराम के भजन को सोशल मीडिया पर शेयर करने की अपील की। उन्होंने कहा- श्रीराम भजन हैशटेग के साथ लोग अपनी रचनाएं शेयर करें। इससे देश के सभी लोग राममय हो जाएंगे।

पीएम मोदी ने भारत की 2023 की उपलब्धियां गिनाई

पीएम ने 2023 की चर्चा करते हुए कहा- इसी साल नारी शक्ति वंदन पारित हुआ। इसी साल नारी शक्ति वंदन बिल भी पारित हुआ। नाटो-नाटो गाने को ऑस्कर मिला। इस साल खिलाड़ियों ने भी देश का नाम बढ़ाया। साथ ही भारत इनोवेशन हब बन रहा है। ग्लोबल इंडेक्स रैंक में हम आज 40वें रैंक पर हैं।

पीएम ने 2019 में शुरू किया फिट इंडिया मूवमेंट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अगस्त 2019 में फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की थी। इसी दिन खेल दिवस भी मनाया जाता है। फिट इंडिया मूवमेंट का मकसद देश के नागरिकों और विशेष रूप से छात्रों के जीवन में फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ावा देना है।

2014 में पहला मन की बात एपिसोड प्रसारित हुआ था

मन की बात का पहला एपिसोड 3 अक्टूबर 2014 को प्रसारित हुआ था। पहले एपिसोड की टाइम लिमिट 14 मिनट थी। जून 2015 में इसे बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया गया था। 30 अप्रैल 2023 को मन की बात का 100वां एपिसोड प्रसारित किया गया था। मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण 23 भाषाओं और 29 बोलियों में होता है। फ्रेंच, पश्तो, चाइनीज समेत इसका ब्रॉडकास्ट 11 विदेशी भाषाओं में भी किया जाता है।

500 जगह पुलिस की तैनाती, कई रास्ते बंद, मेट्रो से आने... दिल्ली में नए साल के जश्न के लिए क्या-क्या इंतजाम

नई दिल्ली। दिल्ली में नए साल का जश्न मनाने के लिए भारी भीड़ उमड़ने के आसार हैं। इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक बंदोबस्त किए हैं। कुछ जगहों पर रास्ते बंद किए जाएंगे, जिसके चलते यातायात प्रभावित रह सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने अपील की है कि नए साल पर संभलकर जश्न मनाएं और यातायात नियमों का उल्लंघन न करें। पुलिस ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर कनॉट प्लेस में जश्न मनाने वालों की भारी भीड़ होती है। इसे ध्यान में रखते हुए यहां कुछ स्थानों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। रविवार रात 8 बजे से वाहनों को कनॉट प्लेस के भीतर नहीं जाने दिया जाएगा। यहां केवल वही वाहन जा सकेंगे, जिनके पास होटल का प्रवेश पास होगा।

यहां रोके जाएंगे वाहन- पुलिस वाहनों को गोल चक्कर मंडी हाउस, गोल चक्कर बंगाली मार्केट, रंजीत सिंह फ्लाईओवर, मिंटो रोड-दीनदयाल उपाध्याय मार्ग क्रॉसिंग, मुंजे चौक के पास चेम्सफोर्ड रोड, आरके आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रॉसिंग, गोल चक्कर गोल मार्केट, गोल चक्कर जीपीओ, पटेल चौक, कस्तूरबा गांधी रोड-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग, जय सिंह रोड-बंगला साहिब लेन, गोल चक्कर विंडसर प्लेस से आगे नहीं जाने देगी।

कनॉट प्लेस के पास यहां पार्किंग की सुविधा: गोल डाकखाना के पास, कालीबाड़ी मार्ग पर पंडित पंत मार्ग और भाई वीर सिंह मार्ग, आकाशवाणी के पीछे रकाबगंज रोड और पटेल चौक के पास, कॉपरनिकस मार्ग पर मंडी हाउस के पास से बड़ौदा हाउस तक, मिंटो रोड के पास डीडीयू मार्ग और प्रेस रोड क्षेत्र पर, पंचकुइयां रोड के पास आरके आश्रम मार्ग पर, चित्रगुप्त रोड, बसंत रोड पहाड़गंज, केजी. मार्ग के पास कॉपरनिकस लेन -फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग पर, गोल चक्कर बंगाली मार्केट के पास बाबर रोड पार्किंग उपलब्ध होगी।

देशभर में 'लोकसभा योजना' पर मंथन के साथ नए साल की शुरुआत करेगी भाजपा!

नई दिल्ली। भाजपा 2014 और 2019 के बाद 2024 के लोकसभा चुनावों में तीसरी बार प्रचंड जीत हासिल करने के मिशन पर है। भाजपा इस साल जनवरी के पहले सप्ताह में देशभर में लोकसभा योजना बैठक आयोजित करने जा रही है। इसका उद्देश्य आगामी संसदीय चुनावों से पहले अपनी तैयारियों के संबंध में पार्टी के भीतर विचार-विमर्श करना है। भाजपा हाईकमान ने पार्टी के सभी राज्य प्रभारियों, प्रदेश अध्यक्षों और राज्यों के पार्टी संगठन महासचिवों को पत्र लिखा है। पार्टी आलाकमान ने पार्टी संगठन को प्रभावित करने वाले सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों, संगठनात्मक तैयारियों, पार्टी गतिविधियों, प्रचार अभियानों और विभिन्न प्लेटफार्मों तथा मीडिया स्रोतों पर चलने वाले राजनीतिक नैरेटिव पर भी विस्तार से चर्चा करने के निर्देश दिए हैं। भाजपा 2024 के आम चुनाव की विभिन्न तैयारियों को लेकर समय पर भी

विशेष ध्यान दे रही है। चूंकि अभी तक चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। भाजपा ने पार्टी के सभी राज्य प्रभारियों, प्रदेश अध्यक्षों और महासचिवों को 7 जनवरी से पहले लोकसभा योजना बैठक आयोजित करने को कहा है। इन बैठकों की डिटेल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजने का भी निर्देश दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से लोकसभा योजना बैठक के लिए सभी राज्यों को जेपी नड्डा की ओर से भेजे गए दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 7 जनवरी से पहले राष्ट्रीय पार्टी पदाधिकारी की मौजूदगी में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में विस्तृत चर्चा के लिए बैठक आयोजित की जाए। बड़े राज्यों में अपेक्षित पार्टी प्रतिनिधियों की संख्या 40-50 के बीच हो सकती है और छोटे राज्यों में उनकी संख्या 20-30 होनी चाहिए। इसके अलावा लोकसभा योजना बैठक में हुई सभी चर्चाओं का दस्तावेजीकरण कर अनुमोदन के लिए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजना होगा।

म्यांमार से भागकर मिजोरम पहुंचे 151 सैनिक, भारत में शरण लेने को हुए मजबूर

नई दिल्ली। असम राइफल्स के एक अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी पीटीआई ने शनिवार को बताया है कि पड़ोसी देश म्यांमार में शिविरों पर एक सशस्त्र जातीय समूह द्वारा कब्जा कर लिए जाने के बाद म्यांमार के लगभग 151 सैनिक मिजोरम के लॉन्गलाई जिले में भागकर आ गए। म्यांमार की सेना के जवानों को टाटमाडॉ के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने हथियारों के साथ भागकर भारत में शरण लिया। शुक्रवार को लॉन्गलाई जिले के तुइसेंटलांग में असम राइफल्स के पास पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से भारतीय सीमा के करीब के इलाकों में म्यांमार सेना और अराकान सेना के लड़ाकों के बीच तीव्र गोलीबारी हो रही थी। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को मिजोरम में प्रवेश करने वाले म्यांमार सेना के कुछ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें असम राइफल्स द्वारा प्राथमिक उपचार दिया गया। अधिकारी ने कहा कि म्यांमार के सैनिक अब म्यांमार सीमा के पास लॉन्गटलाई जिले के पारवा में असम राइफल्स की सुरक्षित हिरासत में हैं।

इससे पहले नवंबर में म्यांमार-भारत सीमा पर उनके सैन्य शिविरों पर पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) द्वारा कब्जा किए जाने के बाद कुल

104 म्यांमार सैनिक मिजोरम भागकर आ गए थे। उन्हें भारतीय वायुसेना द्वारा हवाई मार्ग से मणिपुर के मोरेह ले जाया गया। इसके बाद उन्हें यहां से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर म्यांमार के निकटतम सीमावर्ती शहर तमू भेजा गया।

अधिकारी ने कहा कि म्यांमार के सैनिकों को कुछ दिनों में उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। भारत के विदेश मंत्रालय और म्यांमार की सैन्य सरकार के बीच बातचीत चल रही है।

राज्य पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच के आधार पर, परवा के पास म्यांमार सेना के अड्डे पर गुरुवार को म्यांमार पीपुल्स आर्मी और चिन नेशनल आर्मी (सीएनए) गठबंधन ने कब्जा कर लिया था। म्यांमार सेना के जवान अपने शिविर से भाग गए हैं, पिलर दो और चार पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर तुईसेंटलांग गांव पहुंच गए हैं, जबकि अधिक टाटमाडॉ सदस्यों के सीमावर्ती गांव तक पहुंच गए।

उल्लेखनीय है कि 2022 के बाद से मिजोरम से सटे म्यांमार के चिन राज्य में टाटमाडॉ के शिविरों पर स्थानीय प्रतिरोध मिलिशिया और सीएनए की संयुक्त सेना का कब्जा हो गया। निर्वासन में म्यांमार की राष्ट्रीय एकता सरकार ने बल का उपयोग करके सैन्य जुंटा को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया, जिसने एक फरवरी 2021 को तख्तापलट किया था।

महाराष्ट्र में दस्ताना बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग, छह श्रमिकों की मौत

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर के वालुज औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार देर रात हाथ के दस्ताने बनाने वाली कंपनी की इकाई में भीषण आग लगने से छह श्रमिकों की मौत हो गई।

सूत्रों के मुताबिक फैक्ट्री में आग रात करीब सवा दो बजे लगी, जिसके कारण वहां सो रहे कुछ कर्मचारी जाग गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्म भाप से उनकी नींद खुली और वे अपनी जान बचाने के लिए भागे। बंद फैक्ट्री परिसर में सो रहे श्रमिकों ने आग लगने की सूचना दी।

कंपनी के निकास बिंदु पर आग लगने के कारण श्रमिकों को बाहर निकलने से रोक दिया गया, लेकिन कुछ लोग पेड़ का सहारा लेकर सुरक्षित निकलने सफल रहे। पंद्रह कर्मचारियों को हालांकि बचा लिया गया है।

रविवार सुबह आग लगने की सूचना मिलने के बाद छह दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि आग बुझाने का काम अभी भी जारी है और आग लगने की वजहों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

अग्निशमन विभाग के आधिकारिक सूत्र ने कहा, श्रमिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। उधर, जीएमसीएच सूत्रों के मुताबिक, छह जख्मी लोगों को सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल

(जीएमसीएच) ने लाया गया था, जिन्हें मृत घोषित कर दिया है।

सूत्रों ने बताया कि अधिकांश श्रमिक बिहार के निवासी हैं और मृतकों की पहचान मुस्ताक शेख (65), कौशर शेख (32), इकबाल शेख (18), काकनजी (55), रियाजभाई (32), और मार्गस शेख (33) के तौर पर हुयी है।

ममता बनर्जी से किस बात के लिए नाराज हुए अभिषेक, लोकसभा चुनाव में TMC के लिए नहीं करेंगे प्रचार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के पार्टी नेतृत्व से नाराज होने की खबरें आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनका मानना है कि केंद्र के खिलाफ उन्होंने बकाया वसूली के लिए आंदोलन जो शुरू किया था, वह पटरी से उतर गया है। दुर्गा पूजा से पहले अभिषेक बनर्जी इस आंदोलन को हवा देने के लिए सड़कों पर उतरे थे। योजना यह थी कि पूजा के बाद आंदोलन को और अधिक बढ़ाया जायेगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। आंदोलन व्यावहारिक रूप से धूल में मिल गया है।

दुर्गा पूजा के बाद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र से बकाया वसूली के लिए आंदोलन तेज करने की घोषणा की थी, लेकिन नेताओं ने जमीनी स्तर पर आंदोलन को आगे नहीं बढ़ाया। उन्हें इसके लिए कोई प्रोग्राम नहीं मिला। विभिन्न रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अभिषेक

बनर्जी पार्टी नेताओं के एक समूह की इस हरकत से नाराज हैं। रिपोर्ट में तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि अभिषेक बनर्जी लोकसभा चुनाव में खुद को अपने निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित रखना चाहते हैं। वह बंगाल की बाकी 41 सीटों की चिंता करने को तैयार नहीं हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी ने दिल्ली जाकर इस आंदोलन का आयोजन किया था। कोलकाता लौटने के बाद भी उन्होंने इसके लिए हल्ला मचाया था। ऐसा कहा जा रहा है कि अभिषेक बनर्जी लीडरशिप से खफा हैं।

दावा किया जा रहा है कि अभिषेक की योजना नवंबर में फिर से दिल्ली जाकर विरोध प्रदर्शन करने की थी। उन्होंने यह भी योजना बनाई थी कि अगर केंद्र ने मांग नहीं मानी तो बंगाल लौटने के बाद गांव-गांव यात्रा करेंगे। इसके बजाय, 20 दिसंबर को ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उस वक्त अभिषेक भी उनके साथ थे। इस बीच रिपोर्ट्स का दावा है कि अभिषेक न सिर्फ पार्टी नेता बल्कि राज्य प्रशासन के कामकाज से भी नाराज हैं। गौरतलब है कि उन्होंने वहां जाकर घोषणा की थी कि धूपगुड़ी को उप-विभाजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष धूपागुड़ी को उपविभाजित कर दिया जायेगा। लेकिन साल खत्म हो गया, अभिषेक का वादा पूरा नहीं हुआ। आरोप है कि प्रशासन की ढिलाई के कारण धुपगुड़ी उपविभाजन नहीं हो सका।

शीतलहर की चपेट में उत्तर भारत, दो जनवरी तक बहुत घने कोहरे का अनुमान, 50 मीटर से भी कम रहेगी दृश्यता

नई दिल्ली। उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। सर्दी के साथ ही घने कोहरे की मार भी झेलनी पड़ रही है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में रविवार को भीषण ठंड पड़ने और दो जनवरी तक बहुत घना कोहरा होने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने बताया कि रविवार सुबह जोरहाट (असम), पठानकोट (पंजाब), जम्मू, आगरा और बठिंडा (पंजाब) में शून्य दृश्यता दर्ज की गई। अंबाला में दृश्यता 25 मीटर रही। जबकि बीकानेर, पटियाला, चंडीगढ़, ग्वालियर, झांसी में 50 मीटर और अमृतसर तथा हिसार में 200 मीटर रही। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में रविवार को कड़ाके की ठंड की संभावना जताई है। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में एक जनवरी तक बहुत घना कोहरा रहने और दृश्यता 50 मीटर से भी कम रहने का अनुमान जताया है। वहीं, पंजाब के कई हिस्सों, पश्चिम उत्तर प्रदेश में रात्रि और सुबह के दौरान चार जनवरी तक घने कोहरे का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में दो जनवरी तक

कोहरा छाया रहेगा। ओडिशा, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 दिसंबर को घना कोहरा रहेगा। कोहरे के चलते शनिवार को 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों में देरी हुई। वहीं, अयोध्या धाम-दिल्ली एक्सप्रेस समेत 100 से अधिक ट्रेनें दो से आठ घंटे की देरी से चलीं। कई ट्रेनें रद्द भी करनी पड़ीं।

सात से 10 डिग्री रहा न्यूनतम तापमान

राजधानी दिल्ली समेत पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में शनिवार को न्यूनतम तापमान 7 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया। ज्यादातर शहर घने कोहरे की चपेट में रहे। बादल छाए रहे और सूर्य की तपिश महसूस नहीं हुई।

वाहन धीरे चलाएं, फॉग लाइट का इस्तेमाल करें

मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि कोहरे में धीरे ड्राइविंग करें। फॉग लाइट का इस्तेमाल करें। अस्थमा पीड़ित बाहर न निकलें, इससे सांस से जुड़ी परेशानी बढ़ सकती है। एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों से कहा है कि वे एयरपोर्ट रवाना होने से पहले उड़ानों की स्थिति जांच लें।

नोएडा में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी की बड़ी कार्रवाई, 2 आयुर्वेदिक औषधियों के नमूने जांच को लखनऊ भेजे

नोएडा। नोएडा में नकली, भ्रामक व मिलावटी आयुर्वेदिक व यूनानी औषधियों की भनक मिलने के बाद आज क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाशन मेडिकल एजेंसी सेक्टर-66 का औचक निरीक्षण किया।

यहां कुछ आयुर्वेदिक औषधियों पर संदेह मिलने पर 2 आयुर्वेदिक औषधियों के नमूने जांच के लिए लखनऊ भेज दिया है। इस कार्रवाई से नोएडा के अन्य मेडिकल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। जनपद गौतमबुद्धनगर के डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर नकली, भ्रामक व मिलावटी आयुर्वेदिक व यूनानी औषधियों के विक्रय पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी धर्मेंद्र कुमार केम ने पाशन मेडिकल एजेंसी सेक्टर 66 नोएडा से 2 आयुर्वेदिक औषधियों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किये। उन्होंने बताया कि संग्रहित किए गए नमूने परीक्षण के लिए राजकीय लैबोरेट्री लखनऊ भेजे गए हैं।

लैबोरेट्री रिपोर्ट आने के उपरांत आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में नकली, भ्रामक, मिलावटी आयुर्वेदिक व यूनानी औषधियों के विक्रय पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

भारत का इजराइल से दोस्ती का पैगाम, अब भारत के श्रमिकों को मिलेगा इजराइल में काम

गाजियाबाद। भारत अब इसराइल को दोस्ती का एक और पैगाम दे रहा है और इजरायल व भारत की इस दोस्ती का सबसे बड़ा मुख्य केंद्र गाजियाबाद बना है। गाजियाबाद के रहने वाले श्रमिकों को इजराइल में रोजगार मिलेगा और सबसे बड़ी बात यह है कि इसराइल जाने के लिए मजदूरों को अधिक से अधिक मात्रा में चिह्नित किए जाने का काम गाजियाबाद के श्रम आयुक्त कमिश्नर अनुराग मिश्र को दिया गया है जो श्रम विभाग की की तरफ से अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

गाजियाबाद श्रम आयुक्त अनुराग मिश्र ने बताया कि इसराइल में कार्य करने के लिए 2000 के लगभग राजमिस्त्री 3000 मजदूर और 3000 आयरन वेल्डिंग करने वाले मजदूर और 2008 पत्थर टाइल्स लगाने वाले मजदूरों की जरूरत है। इजराइल जाकर काम करने के इच्छुक मजदूर अपना आवेदन गाजियाबाद के लोहिया नगर श्रम कार्यालय में दे रहे हैं और श्रमिकों की आयु 21 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए और कम से कम उनको 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इसके साथ-साथ इसराइल जाने वाले श्रमिकों को अपना पासपोर्ट स्वयं बनवाना होगा। श्रम विभाग कमिश्नर ने बताया कि गाजियाबाद से लगभग 200 मजदूरों का रजिस्ट्रेशन हुआ है जो मजदूर गाजियाबाद से जाएंगे उनको लगभग 1 लाख 25000 रुपए से ज्यादा की प्रति माह सैलरी मिलेगी। इसके साथ-साथ उन्हें मेडिकल, इंश्योरेंस और प्रवासी भारतीय जीवन बीमा का भी लाभ मिलेगा।

कोविड के नए वेरिएंट ने मचाया आंतक, AIIMS ने जारी किए खास निर्देश

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 692 नए केस सामने आए हैं।हर घंटे देश में कोविड के 28 नए केस मिल रहे हैं। एक्टिव केस 4097 हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड से 6 लोगों की जान गई है। इनमें से दो महाराष्ट्र, एक-एक कर्नाटक, दिल्ली, केरल और पश्चिम बंगाल में हुई है। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को कोरोना के दो नए मामले सामने आए। दोनों संक्रमित मरीजों के नमूने जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेज दिए गए हैं। इसमें यह पता लगाया जाएगा कि कहीं वे कोरोना के सब-वेरिएंट जेएन.1 से संक्रमित तो नहीं हैं। वहीं, दिल्ली एम्स के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संजीव लालवानी ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी की गई है। डॉ. लालवानी ने कहा कि कल हमारे पास दो कोविड-19 मरीज थे। हमने आपात स्थिति के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। हमारे पास सभी परीक्षण सुविधाएं हैं। मेरे माइक्रोबायोलॉजी विभाग के तहत, हमने एक स्क्रीनिंग सुविधा और आपातकालीन सुविधा एक साथ शुरू की है और हमने एक नए निजी वार्ड में 12 बिस्तरों की व्यवस्था की है डॉ. लालवानी ने कहा, 'जैसे-जैसे पॉजीटिव मामलों की संख्या बढ़ रही है, हम बिस्तरों की संख्या सहित तमाम सुविधाओं को बढ़ाएंगे। हमने सभी विभागों, विशेष रूप से क्लिनिकल डिपार्टमेंट से कहा है कि यदि कोई व्यक्ति कोविड से संबंधित लक्षणों के साथ उनके वार्ड में आ रहा है, तो उसका उसी वार्ड में अलग-थलग रखकर इलाज किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने दवाओं, पीपीई किट और अन्य वस्तुओं की भी पर्याप्त व्यवस्था की है, जो कोविड मरीजों के प्रबंधन के लिए आवश्यक हैं।

नए साल में मुफ्त कोचिंग फिर शुरू करेगी दिल्ली सरकार

आईएएस अफसर-डॉक्टर और इंजीनियर बनने का सपना होगा पूरा

नई दिल्ली। कोरोना काल से बंद जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना को नए साल में रीलान्च करने की तैयारी है। दिल्ली सरकार इसमें कुछ बदलाव कर रही है, जिसे कैबिनेट मंजूरी के बाद दोबारा छात्रों के लिए शुरू किया जाएगा।

योजना के तहत निजी कोचिंग संस्थान में मुफ्त कोचिंग के साथ छात्र को 2500 रुपये का मासिक वजीफा भी दिया जाएगा, जिसका उपयोग छात्र यात्रा व अध्ययन सामग्री की खरीद के लिए कर सकता है। इसमें प्रोत्साहन राशि भी जोड़ने की योजना है।

छात्रों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बदलाव के साथ जल्द ही इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। कोरोना के बाद दोबारा यह योजना शुरू करने की कोशिश की गई थी, लेकिन फंड रुक जाने के कारण योजना आगे नहीं बढ़ पा रही थी।अब इस तरह का सिस्टम

बनाया जा रहा है कि फंड नहीं रुकने पाए।

इन परीक्षाओं के लिए कर सकते हैं तैयारी

इस योजना के तहत अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और जिस परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रुपये से कम है, वे भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।इन श्रेणियों से संबंधित मेधावी छात्र जेईई, एनईईटी, सीएलएटी, सिविल सेवा,बैंकिंग,रेलवे व एसएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निजी संस्थानों से मुफ्त कोचिंग प्राप्त कर सकते हैं।

निजी कोचिंग संस्थानों में मिलेगी मुफ्त कोचिंग

योजना के तहत कई छात्र आइएएस अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील व बैंकर आदि बनने का सपना देखते हैं, लेकिन इसके लिए प्राइवेट कोचिंग की आवश्यकता होती है। कई बच्चों के माता-पिता सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, जिसकी वजह से बच्चे प्राइवेट कोचिंग से वंचित रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत छात्रों को पैनल में शामिल निजी कोचिंग संस्थानों से मुफ्त कोचिंग मिलेगी। यदि कोई छात्र किसी गैर-सूचीबद्ध संस्थान में भी प्रवेश लेना चाहता है तो उसे अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग को एक आवेदन भेजना होगा। अच्छे कोचिंग संस्थानों को सरकार जोड़ेगी।

बैंक के धन की हेराफेरी के मामले में यूनियन बैंक प्रबंधक को पांच साल की कैद, 10 लाख 76 हजार जुर्माना

नई दिल्ली। बैंक के धन की हेराफेरी मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के विशेष न्यायाधीश, चेन्नई (तमिलनाडु) की अदालत ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तत्कालीन प्रबंधक के. भास्कर राव को 10.76 लाख रुपये के जुर्माने के साथ पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उनकी पत्नी के शैलजा को 37,000 रुपये के जुर्माने के साथ तीन साल की सजा सुनाई है। जांच के बाद सीबीआई ने 9 अगस्त, 2010 को आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। ट्रायल कोर्ट ने दोनों आरोपितों को दोषी करार दिया। सीबीआई ने 31 जून, 2009 को आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2007-09 के दौरान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सोकापेंट शाखा, चेन्नई में प्रबंधक के रूप में और शाखा के अग्रिम विभाग की देखभाल करते हुए उन्होंने बैंक के साथ धोखाधड़ी की और बैंक के धन की हेराफेरी की। उन्होंने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए अलग-अलग तौर-तरीके अपनाए और अपनी यूजर आईडी और बैंक के अन्य अधिकारियों की यूजर आईडी का उपयोग करके बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) में प्रविष्टियों में हेरफेर किया। आरोपित ने जमा राशि के बदले फर्जी ऋण बनाकर निष्क्रिय एसबी खातों को फिर से सक्रिय करने जैसे अनधिकृत लेनदेन भी किए और अपने और अपनी पत्नी के नाम पर शेयरों पर विभिन्न निवेश कंपनियों के साथ पैसा निवेश किया। इससे बैंक को 4,10,81,000/- रुपये का नुकसान हुआ। बैंक द्वारा 3,12,32,000/- रुपये की वसूली की जा चुकी है और 98,49,000 रुपये की राशि बकाया थी।

सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामले में साक्ष्य न मिलने से खत्म हो जाएगी न्याय की उम्मीद- दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सुबूतों की अहमियत पर जोर देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसे मामलों में साक्ष्य न मिलने से न्याय की उम्मीद खत्म हो जाएगी। निचली अदालत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी की कमी, देरी और न्यायालयों के तकनीकी दृष्टिकोण के कारण एक बार जोर साक्ष्य नष्ट हो जाते हैं, वो हमेशा के लिए खो जाते हैं। सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने की पीड़िता की मांग को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि किसी भी आपराधिक मामले में घटना की तारीख महत्वपूर्ण होती है।

सीसीटीवी फुटेज संरक्षित करने का दिया आदेश

ऐसे में निचली अदालत द्वारा

सुबूतों को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण था, जितना ही न्यायिक व्यवस्था में उसके विश्वास को बचाना था।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए अदालत घटना के दिन दो मई 2023 के याचिकाकर्ता के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज संरक्षित करने का अदालत आदेश देती है।

कड़ाके की ठंड से कांपी दिल्ली, कोहरे के कारण देरी से चल रहीं 23 ट्रेनें

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लोगों को साल के आखिरी दिन शीतलहर की एक और सुबह का सामना करना पड़ा। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर दिल्ली-एनसीआर के मौसम पर देखने को मिल रहा है। यहां तापमान में गिरावट लगातार दर्ज की जा रही है। लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, कोहरे का असर रेलवे और हवाई सेवाओं पर पड़ रहा है। कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 23 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। रेल और हवाई सेवाओं में देरी के वजह से यात्रियों को रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। आईएमडी ने कहा है कि जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में

पारा और गिर जाएगा, राष्ट्रीय राजधानी में सफदरजंग वेधशाला में तापमान 10 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 30 ट्रेनें और 100 के करीब हवाई उड़ानों पर कोहरे का असर पड़ा। इसमें 20 अंतरराष्ट्रीय उड़ान भी शामिल है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय अधिकतम तापमान 19 डिग्री व न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के आसपास रह सकता है। सोमवार तक पारा गिरेगा, इसके बाद तापमान में बढ़त की उम्मीद है। दिल्ली का नरेला सबसे अधिक ठंडा रहा। यहां का अधिकतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि लोधी रोड और रिज क्षेत्र में न्यूनतम तापमान सबसे कम 11 डिग्री दर्ज किया गया।

जामा मस्जिद में मुस्लिमों ने सुनी पीएम मोदी के 'मन की बात', की गई स्पेशल ब्रॉडकास्टिंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आज 108वां एपिसोड प्रसारित हुआ। जिसका प्रसारण आकाशवाणी सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर हुआ। भारतीय अल्पसंख्यक फाउंडेशन ने 'मन की बात' के 108वें एपिसोड का विशेष प्रसारण महिला पार्क, जामिया मस्जिद, पुरानी दिल्ली में आयोजित किया। पीएम मोदी के 'मन की बात' के कार्यक्रम को सुनने के बाद वहां मौजूद शबाना रहमान ने कहा, 'हम सभी यहां पीएम मोदी के 'मन की बात' सुनने के लिए एकत्र हुए हैं। हम सभी पीएम मोदी का समर्थन करते

हैं। हमें विशेष सुविधाएं दी गई, चाहे वह 'तीन तलाक' हो या कोई अन्य मुद्दा, किसी अन्य पार्टी ने ऐसा नहीं किया है। पीएम मोदी ने हमारे लिए बहुत कुछ किया है। वह हमारे 'भाईजान' की तरह हैं...'वहीं, नवाब कुरेशी ने कहा, 'मैं महीने के हर आखिरी रविवार को पीएम मोदी की 'मन की बात' सुनता हूं...हमारा देश तीव्र गति से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। पिछले 9.5 वर्षों में, पीएम मोदी के नेतृत्व में, देश में मुसलमान प्रगति कर रहे हैं और खुश हैं...'

11 विदेशी भाषाओं में होता है प्रसारण

'मन की बात' कार्यक्रम 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी सहित 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित किया जाता है। यह कार्यक्रम आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों से प्रसारित होता है।

न्यू सीलमपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। सबको बेहतर स्वास्थ्य मिले यह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है और इसी उद्देश्य से करोड़ों लोगों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराने के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। हमारा भी दायित्व है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए हर स्तर पर प्रयास करें, समाज को भी जागरूक करें। प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल ने न्यू सीलमपुर में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में यह विचार व्यक्त किए और कई लोगों को स्वास्थ्य उपकरण प्रदान किए। पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प लगाये जा रहे हैं और शनिवार को न्यू सीलमपुर के जी-ब्लॉक के हनुमान मंदिर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और कैंसर स्क्रीनिंग बस का आयोजन किया गया था। शिविर में जिला भाजपा और मण्डल के कार्यकर्ताओं के सहयोग से बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया। इस मौके पर भारत भदोरिया निगम प्रत्याशी, पूर्व महापौर श्याम सुंदर, मुकेश बंसल, सतीश सिंघल, आशीष गुप्ता, रविंद्र कुमार, पवन, श्रीराम त्यागी, राहुल सैनी, पवन त्यागी, वीरेंद्र त्यागी, डॉ. बीएन कपूर, पंडित ओम प्रकाश शर्मा आदि उपस्थिति रहे।

उपराज्यपाल ने दी प्रस्ताव को मंजूरी, प्राचार्य-उपशिक्षा अधिकारी के 29 पद फिर से बहाल

नई दिल्ली। राजधानी के स्कूलों के संचालन के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने प्राचार्य-उपशिक्षा अधिकारी के 29 पदों को फिर से बहाल कर दिया। इसे लेकर दिल्ली के शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को एलजी ने मंजूरी दी है। यह पद साल 2019-2021 से सरकारी स्कूलों में खाली थे। इसके अलावा एलजी ने छह ऐसे पदों को रद्द करने की सिफारिश पर सहमति दी है जो साल 2013 से लेकर 2017 तक रिक्त होने की वजह से तत्काल समाप्त श्रेणी में माने गए।

एलजी ने आवश्यक मूल्यांकन और अध्ययन के बाद दिल्ली सरकार के वित्त विभाग और प्रशासनिक सुधार (एआर) विभाग की सिफारिश के बाद इस फैसले को लिया। साल 2019 में प्राचार्य-उपशिक्षा अधिकारी के 2 पद रिक्त थे, दो अन्य पद भी साल 2020 में रिक्त हो गए।

रिकॉर्ड के अनुसार इस तरह के 23 पद वर्ष 2020 में रिक्त थे और दो अन्य पद अप्रैल 2021 तक रिक्त हो गए थे। समाप्त किए गए 6 पदों में से तीन 2013-2014 में रिक्त थे, जबकि दो पद वर्ष 2014-15 में और 2016-17 से एक पद रिक्त है। इससे पहले, अप्रैल 2023 में शिक्षा विभाग ने एआर विभाग के अवलोकन के बाद 126 पदों की बहाली और शिक्षा निदेशालय में रिक्त पड़े कुल 370 पदों में से प्राचार्य-उपशिक्षा अधिकारी के 244 पदों को बनाने

को मंजूरी ली थी।

ये पद वर्ष 2013-14 से 2019 तक पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने के लिए खाली हैं। हालांकि, जब ये उपरोक्त प्रस्ताव प्रशासनिक सुधार विभाग और वित्त एवं योजना विभाग में विचाराधीन था, तब कुछ अन्य पद भी समाप्त माने गए श्रेणी में आ गए। जबकि कई अन्य पदों की बहाली-रद्द करने के लिए नए सिरे से विचार किया जा रहा है। इन पदों को लेकर शिक्षा विभाग ने अपने प्रस्ताव में कहा कि इन पदों की जरूरत है। मौजूदा समय में स्कूल कार्य का प्रबंधन उप-प्रधानाचार्यों कर रहे हैं। यह एक अस्थायी व्यवस्था है। इन पदों को लंबे समय तक जारी नहीं किया जा सकता।

अमिताभ कांत पैनल की रिपोर्ट से नोएडा के 1.12 लाख घर खरीदारों की जगी उम्मीद

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने अमिताभ कांत समिति की रिपोर्ट पर जारी शासनादेश को शीघ्र अमल में लाने का फैसला लिया है। इसके बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से बिल्डर खरीददार मामलों में जारी किए गए शासनादेश को अंगीकार करने के बाद जिले के 1.12 लाख फ्लैट खरीदारों के आशियाना मिलने का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है।

बीते 26 दिसंबर को हुई नोएडा प्राधिकरण की 213वीं और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 133वीं बोर्ड बैठक में चेयरमैन मनोज कुमार सिंह और दोनों प्राधिकरण के बोर्ड के सदस्यों ने इसे अंगीकार करने का फैसला लिया। इसके बाद नोएडा में 56 परियोजनाओं के करीब 32 हजार और ग्रेटर नोएडा के 117 परियोजनाओं में करीब 75 हजार फ्लैट खरीदारों को आशियाना दिलाया जा सकेगा। यह आंकड़ा तैयार और आधे अधूरे फ्लैटों के हैं। इसके अलावा बाकी बचे हुए 1.33 लाख फ्लैटों में से 1.10 लाख कोर्ट में हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले 3 सालों में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट पूरे होंगे और बन चुके प्रोजेक्ट को 3 माह में ओसी-सीसी मिलेगी। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत समिति की सिफारिश के आधार पर प्रदेश सरकार की तरफ से शासनादेश जारी किए गए हैं। सिफारिश में कोरोना महामारी के तहत बिल्डरों को 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2022 तक शून्य काल का लाभ दिया जाएगा। ओखला बर्ड सेंचुरी के 10 किलोमीटर के दायरे में एनजीटी के आदेश के क्रम में 14 अगस्त 2013 से 19 अगस्त 2015 तक जीरो पीरियड का लाभ मिलेगा। यह केस टू केस पर लागू होगा। शून्य काल का लाभ लेने के बाद बकाया धनराशि का 25 प्रतिशत 60 दिनों के भीतर जमा करना होगा।

ग्रेटर नोएडा में खूनी संघर्ष, युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार

नोएडा। एक बार फिर चिटेहरा गांव चर्चा में आ गया। चिटेहरा गांव में मामूली बात पर खून खराबा हो गया। इस घटना के बाद गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। वारदात में घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट करवाया गया और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी ने पीड़ित के ऊपर कई बार चाकू से वार किया। पूरा मामला दादरी कोतवाली क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि थाना दादरी पुलिस को सूचना मिली कि चिटेहरा गांव में रहने वाले सतीश का उसके ही परिवार के संतराम से विवाद हो गया। दोनों के बीच विवाद नाली के पानी को रोकने को लेकर हुआ। इस दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई। मारपीट के दौरान सतीश घायल हो गया। सतीश को पुलिस के द्वारा इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट करवाया गया।

घायल पहुंचा अस्पताल और आरोपी थाने में

बताया जा रहा है कि इस घटना में सतीश को काफी गंभीर चोट आई है। उसका इलाज शहर के जेपी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी संतराम को हिरासत में ले लिया है। सतीश के परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामला एक ही परिवार का है, इसलिए हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने निकल कर आएगा, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

32 विश्वविद्यालयों में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस', 300 विश्वविद्यालयों में होगी नियुक्तियां

नई दिल्ली। केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने विभिन्न डोमेन में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद को अपनाना शुरू किया है। विश्वविद्यालयों में इनकी नियुक्तियां शुरू हो गई हैं। देशभर में केंद्रीय विश्वविद्यालयों समेत कुल 32 उच्च शिक्षण संस्थान ऐसे हैं, जहां 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' नियम के अंतर्गत पेशेवर लोगों की नियुक्त हुई है। यूजीसी ने सभी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के दौरान प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद नियुक्तियां करने को कहा है। देश भर के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय समेत अभी तक कुल 332 विश्वविद्यालयों को 11,200 विशेषज्ञों ने प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद के लिए ऑनलाइन आवेदन भेजा है।

'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' वह लोग हैं जो प्रारंभिक व्यवसाय से शिक्षक नहीं है और न ही उन्होंने शिक्षण के लिए पीएचडी की है। बावजूद इसके उनके प्रोफेशनल अनुभव के आधार पर उन्हें कॉलेजों में छात्रों को पढ़ाने के लिए नियुक्त किया जा सकता है। यह प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस छात्रों को वह विषय पढ़ाएंगे जिसमें उनका लंबा प्रोफेशनल अनुभव है। हालांकि इस योजना के तहत विभिन्न कार्य क्षेत्रों से आने वाले प्रोफेशनल को कम से कम 15 वर्षों का अनुभव होना चाहिए।

विज्ञान, कानून, पर्यावरण, उद्योग, इंजीनियरिंग, इंडस्ट्री, मीडिया, जलवायु, संगीत, कला, समेत विभिन्न पेशों से जुड़े अनुभवी पेशेवरों को शिक्षा से जोड़ने के लिए 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' पंजीकरण पोर्टल शुरू किया गया था। अपने कार्य क्षेत्रों में महारत रखने वाले अनुभवी प्रोफेशनल इस पोर्टल के माध्यम से स्वयं को शिक्षण के लिए पंजीकृत करा सकते हैं। यानी 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' वह लोग हैं जो प्रारंभिक व्यवसाय से शिक्षक नहीं हैं और न ही उन्होंने शिक्षण के लिए पीएचडी की है। यूजीसी के मुताबिक बावजूद इसके उनके उच्च प्रोफेशनल अनुभव के आधार पर उन्हें कॉलेजों में छात्रों को पढ़ाने के लिए नियुक्त किया जा रहा है। यह प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, छात्रों को वह विषय पढ़ाएंगे जिसमें उनका लंबा प्रोफेशनल अनुभव है। यूजीसी सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं को प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति के नियमों के संबंध में एक पत्र लिख चुका है। इस पत्र में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कॉलेजों के प्राचार्यों से अनुरोध है किया गया था कि वे अपने संस्थानों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति को सक्षम करने के लिए अपने कानूनों, अध्यादेशों, नियमों व विनियमों में आवश्यक परिवर्तन करें। यूजीसी का कहना है कि इस मामले में की गई कार्रवाई को विश्वविद्यालय अपने गतिविधि निगरानी पोर्टल पर साझा भी कर रहे हैं। इसके साथ ही नियुक्ति के लिए उच्च शिक्षण संस्थाओं ने अपने नियमों में भी बदलाव किए हैं। अभी तक अधिकांश नियुक्तियां कंप्यूटर साइंस, मार्केटिंग एडवांस, इंजीनियरिंग, होटल मैनेजमेंट समेत अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों को मिली है। इस योजना में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति एक निश्चित अवधि के लिए है। प्रारंभिक कार्यकाल एक वर्ष तक का है। हालांकि सेवा की गुणवत्ता के आधार पर विस्तार दिया जा सकता है।

इमरान खान को कोर्ट से मिली बड़ी राहत, जेल में पार्टी नेताओं के साथ चुनावी बैठक की अनुमति

इस्लामाबाद, , एजेंसी। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के नेताओं और वकीलों को अदियाला जेल जाकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ आठ फरवरी को होने जा रहे आम चुनाव से संबंधित बैठकें करने की अनुमति दी है। इमरान ने पीटीआइ नेताओं के साथ जेल में चुनाव से पहले रणनीतिक बैठक करने की अनुमति मांगी थी और अदियाला जेल अधीक्षक को विचार-विमर्श गोपनीय रखने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान पाकिस्तान के अटार्नी जनरल मंसूर उस्मान अवान, खान की पार्टी के वकील और अदियाला जेल के अधीक्षक हाई कोर्ट में उपस्थित हुए। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इमरान की याचिका पर जस्टिस मियांगुल हसन औरंगजेब ने उक्त आदेश दिया।

नौ मई हिंसा मामले में आरोपित बनाए गए कुरैशी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) पार्टी के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को पुलिस ने नौ मई हिंसा से संबंधित एक दर्जन विभिन्न मामलों में आरोपित बनाया है। गुरुवार को दंडाधिकारी ने उन्हें दो सप्ताह के लिए अदियाला जेल भेज दिया। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट से साइफर मामले में जमानत मिलने के बाद कुरैशी रिहा हुए और अदियाला जेल के बाहर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। कुरैशी ने पुलिस पर दुर्व्यवहार और मारपीट करने का आरोप लगाया है।

रूस ने पोलैंड के हवाई क्षेत्र का किया उल्लंघन, 3 मिनट तक सीमा में रही रूसी रॉकेट

राजनयिक को समन कर मांगा जवाब

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड ने कहा कि रूस ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। पोलिश सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुताबिक, एक रूसी मिसाइल ने शुक्रवार सुबह नाटो सदस्य के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई। यह घटना उस समय हुआ, जब रूस युक्रेन पर अब तक का सबसे घातक हमला कर रहा है। वहीं, रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए इस हमले में 31 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 120 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। मालूम हो कि रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर 122 मिसाइलों और दर्जनों ड्रोन से हमला किया।

पोलैंड ने रूसी राजनयिक को जारी किया समन: वहीं, पोलैंड ने अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के लिए रूस के राजनयिक को समन जारी कर हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के लिए स्पष्टीकरण और ऐसी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। पोलैंड के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर इस बारे में जानकारी दी है।

रूसी मिसाइल के रूप में हुई पहचान: पोलैंड के जनरल स्टाफ ने अपने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार 7.12 बजे यूक्रेन के साथ लगी सीमा की दिशा से एक वस्तु द्वारा पोलिश हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया गया, जो तीन मिनट से भी कम समय के बाद पोलैंड के क्षेत्र से बाहर चली गई। उन्होंने कहा कि हम इसे एक रूसी निर्देशित मिसाइल के रूप में पहचानते हैं। पूरे समय के दौरान मिसाइल के प्रक्षेप पथ को पोलिश और संबद्ध दोनों रडार प्रणालियों द्वारा ट्रैक किया गया था। इस दौरान देश की वायु रक्षा प्रणालियों को अलर्ट पर रखा गया था।

अमेरिका के ही इंटरनेट का उपयोग कर रहा था चीन का जासूसी गुब्बारा, ड्रैगन की चालबाजी का अमेरिकी अधिकारी ने किया खुलासा

वाशिंगटन, , एजेंसी। चीनी जासूसी गुब्बारे ने साल 2023 की शुरुआत में अमेरिका को पार किया था। अब इस गुब्बारे को लेकर अमेरिका के एक अधिकारी ने खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि इस गुब्बारे ने नेविगेशन और स्थान से संबंधित कई तरह के डेटा को चीन भेजने के लिए एक अमेरिकी इंटरनेट सेवा का उपयोग किया था। समाचार एजेंसी एएनआई ने सीएनएन के हवाले से यह जानकारी दी है।

अमेरिका ने मार गिराया था जासूसी गुब्बारा: उन्होंने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इसके कनेक्शन का उपयोग कर ??गुब्बारे के स्थान को ट्रैक करने में सफलता हासिल की थी। वहीं, गुब्बारे को किस कंपनी ने इंटरनेट सेवा दी थी, इसकी जानकारी अभी भी अज्ञात बनी हुई है। मालूम हो कि अमेरिका ने फरवरी में चीनी जासूसी गुब्बारे को सफलतापूर्वक मार गिराया था।

चीन बताता रहा है मौसम का गुब्बारा: वहीं, इस मामले पर एफबीआई और राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय के निदेशक दोनों ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इधर, चीन लगातार इसको मौसम का गुब्बारा करार देता रहा है। चीन दावा करता रहा है कि अमेरिका द्वारा मारे गए गुब्बारा किसी भी तरह का कोई भी जासूसी गुब्बारा नहीं था, बल्कि वह एक मौसम का गुब्बारा था, जो अपने रास्ते से भटक गया था।

अमेरिका में मचा था हड़कंप: मालूम हो कि अमेरिका में चीनी जासूसी गुब्बारा दिखने की वजह से हड़कंप मच गया था। हालांकि, इसे नष्ट करने की योजना भी बना ली गई थी, लेकिन मलबे की वजह से भारी तबाही का अंदेशा था। ऐसे में इसे तबाह नहीं किया गया था।

नए साल की पूर्व संध्या पर होगी कड़ी सुरक्षा, 90 हजार से अधिक पुलिसकर्मी होंगे तैनात

पेरिस, एजेंसी। नए साल की पूर्व संध्या पर फ्रांस में कड़ी सुरक्षा होगी और करीब 90,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। फ्रांस की घरेलू खुफिया एजेंसी के प्रमुख सेलीन बर्थन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मानिन के मुताबिक राजधानी पेरिस में करीब छह हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा जहां शॉन्ज-एलिसीज पर समारोह में 15 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।डर्मानिन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजराइल और फलस्तीन में हो रही घटनाओं के मद्देनजर आतंकवादी हमले का बहुत अधिक खतरा है। फ्रांस के गृह मंत्री ने कहा कि पुलिस पहली बार सुरक्षा कार्यों के लिए ड्रोन का उपयोग कर सकेगी तथा हजारों अग्निशामकों और पांच हजार सैनिकों को भी तैनात किया जाएगा। गौरतलब है कि पेरिस 2024 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी भी करेगा।

इजरायल ने किया नरसंहार, गाजा हमलों के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने इंटरनेशनल कोर्ट में घसीटा

यरूसलम/गाजा, एजेंसी। इजरायल-हमास जंग का आज 85वां दिन है। इजरायल एक तरफ गाजा पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा है तो दूसरी तरफ इजरायल अब कई मोर्चों पर घिरने लगा है। ताजा मामला दक्षिण अफ्रीका का है, जिसने शुक्रवार को गाजा में नरसंहार कृत्यों के लिए इजराइल के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ढ्ढष्टछ्व) में एक मामला दायर किया है। हालांकि, इजरायल ने इसे घृणास्पद बताते हुए खारिज कर दिया है।

एक बयान के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में दायर आवेदन नरसंहार कन्वेंशन के तहत इजरायल द्वारा अपने दायित्वों के कथित उल्लंघन से संबंधित है। इसमें आरोप लगाया गया है कि इजरायल गाजा पट्टी में हमास आतंकियों पर कथित सैन्य ऑपरेशन के नाम पर बेकसूर फिलिस्तानी नागरिकों का नरसंहार कर रहा है। आवेदन में कहा गया है कि इजरायल इस नरसंहार में स्वतंत्र रूप से शामिल है और आगे भी ऐसा करते रहने का उसका इरादा है।

दक्षिण अफ्रीका का यह भी कहना है कि इजरायल गाजा में व्यापक फिलिस्तीनी राष्ट्रीय, नस्लीय और जातीय समूह के हिस्से के रूप में फिलिस्तीनियों को नष्ट करने के लिए अपेक्षित विशिष्ट इरादे से काम कर रहा है।

इसके जवाब में इजरायली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लियोर हयात ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इजरायल दक्षिण अफ्रीका के ढ्ढष्टछ्व में आवेदन द्वारा रक्त के अपमान के प्रसार के उसके आरोपों को घृणा के साथ खारिज करता है।

बता दें कि 7 अक्टूबर को हमास के आतंकियों ने दक्षिणी इजरायल के एक कस्बे पर हमला बोल दिया था, जिसमें 1200 इजरायली नागरिकों की मौत हो गई थी, जबकि 240 लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था। इसके बाद से इजरायल ने हमास के खात्मे के इरादे से गाजा पर हमला बोल दिया। इजरायली हमलों में अब तक 21,500 से ज्यादा फिलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। इनमें अधिकांश बच्चे और महिलाएं हैं। अमेरिका समेत कई देशों ने संघर्षविराम का आह्वान किया है लेकिन इजरायल इस पर राजी नहीं हो रहा है।

पाकिस्तान में पोलियो का कहर, कराची-हैदराबाद समेत इन जिलों में मिला वायरस, स्वास्थ्य मंत्रालय का अलर्ट

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के चार जिलों में पोलियो वायरस का पता चला है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा विनियमन और समन्वय मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान के चार जिलों के पर्यावरण नमूनों में पोलियो वायरस पाया गया है।

चार जिलों में मिले पोलियो वायरस के लक्षण: समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी सिंध प्रांत के कराची और हैदराबाद जिले, दक्षिण-पश्चिम के चमन जिले और उत्तर-पश्चिम में स्थित पेशावर के जिलों में चार पर्यावरण नमूनों में पोलियो वायरस पाए गए हैं।

बच्चों को वायरस से बचाने का एकमात्र तरीका है पोलियो टीकाकरण: मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान में दुनिया में सबसे व्यापक और संवेदनशील पोलियो निगरानी प्रणाली है और पोलियो वायरस कमजोर इम्यूनिटी वाले बच्चों को जल्दी और आसानी से निशाना बनाता है। इसलिए पोलियो टीकाकरण बच्चों को वायरस और विकलांगता से बचाने का एकमात्र तरीका है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने की परिवारों से अपील: स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि माता-पिता को प्रत्येक पोलियो अभियान के दौरान पांच साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलानी चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पाकिस्तान अपने पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ-साथ दुनिया के दो पोलियो से पीड़ित देशों में से एक है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान में इस साल अब तक पोलियो के छह मामले सामने आए हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने इजरायल के खिलाफ आईसीजे में दायर किया मामला, कहा- फलस्तीन में हो रहा बड़े पैमाने पर नरसंहार

हेग , एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध में अब तक 21 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने गाजा में किए गए इस नरसंहार के लिए इजरायल के खिलाफ शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में एक मामला शुरू किया। हालांकि, इजरायल ने इसको खारिज कर दिया। एक बयान में कहा गया है कि इजरायल गाजा में फलस्तीनी लोगों का नरसंहार करने में शामिल रहा है और वर्तमान में भी कर रहा है।

लोगों को मारने के इरादे से काम कर रहा इजरायल: अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में अपने आवेदन में दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि इजरायल फलस्तीनी राष्ट्रीय, नस्लीय और जातीय समूह के हिस्से के रूप में वहां के लोगों को मारने के इरादे से काम कर रहा है। हालांकि, इजरायल ने दक्षिण अफ्रीका द्वारा लगाए गए अपने इन आरोपों को खारिज कर दिया। इजरायली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लियोर हयात ने कहा कि इजरायल दक्षिण अफ्रीका द्वारा फैलाए गए रक्त अपमान और आईसीजे में इसके आवेदन को सिरे से खारिज करता है।

अब तक कितने लोगों की हुई मौत?: गाजा में अब तक के युद्ध में मरने वालों की संख्या 21,507 हो गई है, जबकि घायलों की संख्या 56 हजार तक पहुंच गई है। इजरायल के रक्षा मंत्री योएव गैलेंट ने कहा है कि हमास को नष्ट करने की लड़ाई अब निर्णायक दौर में पहुंच गई है।

वेस्ट बैंक में मारे गए बच्चों की संख्या चिंताजनक स्तर पर : यूनिसेफ

यरुशलम, एजेंसी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के लिए यूनिसेफ के क्षेत्रीय निदेशक एडेल खोदर ने शुक्रवार को कहा कि वेस्ट बैंक में इजरायलियों द्वारा मारे गए बच्चों की संख्या खतरनाक स्तर तक पहुंच रही है। खोदर ने कहा, वर्ष 2023 पूर्वी यरुशलम सहित कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बच्चों के लिएर सबसे घातक वर्ष रहा है, इसमें हिंसा अभूतपूर्व स्तर तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इजरायली सैन्य और कानून प्रवर्तन अभियानों में वृद्धि के बीच पिछले 12 हफ्तों में कम से कम 83 बच्चे मारे गए हैं, जो 2022 में मारे गए बच्चों की संख्या से दोगुने से भी अधिक है।

खोदर ने कहा,576 से अधिक लोग घायल हुए हैं और अन्य को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा, वेस्ट बैंक आवाजाही और पहुंच प्रतिबंधों से काफी प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्वी येरुशलम सहित वेस्ट बैंक में रहने वाले बच्चे कई वर्षों से भीषण हिंसा का सामना कर रहे हैं, फिर भी 7 अक्टूबर के भयानक हमलों के बाद से उस हिंसा की तीव्रता नाटकीय रूप से बढ़ गई है। खोदर कहते हैं, हिंसा में 2023 की शुरुआत से 124 फ़िलिस्तीनी बच्चों और 6 इज़राइली बच्चों की मौत हो गई है।

गाजा युद्धविराम वार्ता के लिए हमास प्रतिनिधिमंडल मिस्र का करेगा दौरा

गाजा, एजेंसी। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि हमास का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में पेश किए गए युद्धविराम की मिस्र की योजना के बारे में अपनी टिप्पणी देने के लिए शुक्रवार को मिस्र का दौरा करेगा। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि मिस्र की तीन-चरणीय योजना नवीकरणीय युद्धविराम, इज़राइल में फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में हमास द्वारा रखे गए बंधकों की क्रमिक रिहाई और अंततः संघर्ष को समाप्त करने के लिए युद्धविराम है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है, यह सभी फिलिस्तीनी गुटों को शामिल करने वाली बातचीत के बाद टेक्नोक्रेट की फिलिस्तीनी सरकार का भी प्रावधान करता है, जो संकट के बाद गाजा पर शासन करने और पुनर्निर्माण के लिए जिम्मेदार होगी। इसमें कहा गया है कि प्रतिनिधिमंडल फिलिस्तीनी गुटों की प्रतिक्रिया देगा, इसमें पूर्ण इजरायली सैन्य वापसी के लिए आदान-प्रदान और गारंटी के विवरण के बारे में कई टिप्पणियां शामिल होंगी।

संयुक्त अरब अमीरात में होगा अयोध्या जैसा भव्य मंदिर, बनाने में कितना आया खर्च, उद्घाटन में शामिल होंगे पीएम मोदी

दुबई एजेंसी। इस्लामिक देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अयोध्या के राम मंदिर जैसा भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। इस मंदिर का उद्घाटन अगले साल 14 फरवरी को किया जाएगा। इस मंदिर के उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी को भी शामिल होने के लिए न्योता दिया गया था, जिसे पीएम ने स्वीकार कर लिया है। यूएई की राजधानी अबू धाबी में बन रहा यह अब तक का सबसे बड़ा मंदिर होने वाला है। इसे 55 हजार वर्ग मीटर में बनाया गया है। इस भव्य मंदिर के निर्माण के लिए भारत से कलाकारों को बुलाया गया है। इस मंदिर निर्माण यूएई और भारत की दोस्ती और सद्भाव को एक नई ऊंचाई पर ला देगा। जब पीएम मोदी साल 2015 में यूएई की यात्रा पर गए थे तब से ही इस मंदिर को लेकर काफी चर्चाएं थीं।

पीएम मोदी ने रखी थी आधारशिला: मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए संबंध में पीएम मोदी ने गुरुवार को बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्थान (बीएपीएस) का निमंत्रण स्वीकार किया। मंदिर के बारे में खास बात यह है कि अयोध्या के भव्य राम मंदिर की तरह इस मंदिर की आधारशिला भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर किसी भी मुस्लिम देश में बनने वाला यह सबसे भव्य और पहला मंदिर होगा। इस संबंध में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अबू धाबी में बनने वाला यह मंदिर पूरे विश्व को भारत की आध्यात्मिक शक्ति का परिचय देगा और विश्व बंधुत्व के भारतीय सिद्धांत को लोगों तक पहुंचाएगा।

होंगी ऐसी खूबियां: अबू धाबी में बन रहे इस भव्य मंदिर में 18 फरवरी से जनता को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि मंदिर का निर्माण अंतिम चरण में है। मंदिर परिसर में एक अतिथि केंद्र, प्रार्थना कक्ष, प्रदर्शनियां, अध्ययन और प्ले एरिया, पार्किंग, उद्यान, एक फूड कोर्ट है। किताबों की दुकान और उपहार की दुकानें होंगी।

कितना होगा खर्च: इस मंदिर का निर्माण गुलाबी बलुआ पत्थर से किया गया है, जो एक हजार वर्षों से भी अधिक समय में क्षतिग्रस्त नहीं होगा। इस मंदिर में सफेद संगमरमर का भी प्रयोग किया गया है। मंदिर में सभी धर्मों को प्रवेश की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में 8,000 से 10,000 लोग रह सकते हैं। परिसर में आने वालों को दो भव्य फव्वारे नजर आएंगे, जो भारत की गंगा और यमुना नदियों के प्रतीक बताए जा रहे हैं। इस मंदिर के निर्माण में 700 करोड़ रुपये की लागत खर्च हुई है।

1 जनवरी को दुनिया की आबादी भी बनाएगी रिकॉर्ड

वाशिंगटन , एजेंसी। आने वाले नए साल में दुनिया की आबादी भी एक नया रिकॉर्ड बनाने वाली है। इस साल विश्व की जनसंख्या में लगभग साल 7.5 करोड़ का इजाफा हुआ। नए साल के दिन कुल वैश्विक आबादी के आठ अरब से अधिक हो जाने का अनुमान है। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। जनगणना ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दुनिया भर में जनसंख्या की वृद्धि दर एक प्रतिशत से कम रही। वर्ष 2024 की शुरुआत में दुनिया भर में हर सेकंड में 4.3 लोगों का जन्म और दो लोगों की मौत होने का अनुमान है।

क्या है अमेरिका की आबादी का हाल: अमेरिका की जनसंख्या की वृद्धि दर पिछले वर्ष 0.53 प्रतिशत थी, जो दुनिया भर की वृद्धि दर से आधी है। अमेरिका की आबादी इस साल 17 लाख बढ़ी और नववर्ष पर इसकी कुल जनसंख्या 33 करोड़ 58 लाख हो जाएगी। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन में जनसांख्यिकी विशेषज्ञ विलियम फ्रे ने कहा कि जनसंख्या में वृद्धि की मौजूदा गति यदि इस दशक के अंत तक बरकरार रही, तो 2020 का दशक जनसंख्या में बढ़ोतरी के लिहाज से अमेरिकी इतिहास में सबसे धीमी गति का दशक हो सकता है और 2020 से 2030 तक 10 साल की अवधि में वृद्धि दर चार प्रतिशत से कम रह सकती है।

1960 के दशक से विश्व जनसंख्या वृद्धि धीमी हो रही है। वैश्विक जनसंख्या को सात अरब से आठ अरब होने में साढ़े 12 साल लग गए। लेकिन जनगणना ब्यूरो का कहना है कि आठ अरब से नौ अरब होने में 14.1 साल लगेंगे और नौ अरब से 10 अरब होने में 16.4 साल लगेंगे, जो 2055 के आसपास हो सकता है।

भारत ने ली बढ़त: आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ते हुए इसी साल भारत दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बना था। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अनुमान के मुताबिक भारत की आबादी 142.86 करोड़ को पार कर गई है। यूएन का अनुमान है कि अगले तीन दशकों में भारत की आबादी बढ़ती रहेगी और उसके बाद इसमें गिरावट आनी शुरू होगी। भारत में साल 2011 के बाद से जनगणना नहीं हुई है और इसलिए उसकी साल 2023 में सटीक आबादी कितनी है यह जानकारी नहीं है।

संपादकीय

समुद्री परिवहन सुरक्षा

ऐसे वक्त में जब इस्राइल-हमास संघर्ष की तपिश समुद्री परिवहन को अपनी चपेट में लेने लगी है, भारतीय रक्षामंत्री का सख्त बयान आश्वस्त करने वाला है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों को धमकी देने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि भारतीय समुद्री जहाजों की सुरक्षा को चुनौती देने वालों को वह सबक सिखाएगा। निस्संदेह, यह इस दिशा में भारत सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करता है। दरअसल, भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुरक्षा प्रदाता की भूमिका का भी निर्वहन करता है। साथ ही भारत सुनिश्चित करेगा कि समुद्री व्यापार सुगम व सुरक्षित हो सके। वहीं लाल सागर में लगातार बढ़ते तनाव के अरब सागर तक पहुंचने की आशंका को देखते हुए भारत नौसेना हाई अलर्ट पर है। भारत ने अपने व्यापारिक जहाजों को हूती आतंकवादियों से उत्पन्न खतरे से बचाने के लिये चार युद्धपोतों को समुद्र में उतार दिया है। ये युद्धपोत अरब सागर के एक बड़े समुद्री इलाके की निगरानी करेंगे। इनकी निगरानी के दायरे में अदन की खाड़ी का वह क्षेत्र भी शामिल है, जहां से हूती आतंकवादी अंतर्राष्ट्रीय समुद्र नौवहन को चुनौती देते रहते हैं। इसके अलावा उन्नत एयरक्राफ्ट पहले से इलाके की निगरानी कर रहे हैं। ये हवाई जहाज उन्नत तकनीक व यंत्रों के जरिये समुद्री गतिविधियों की निगरानी करके सुरक्षा प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे। दरअसल, ईरान समर्थित हूती लड़ाके लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों को ड्रोन व मिसाइलों से हमले का शिकार बना रहे हैं। उनकी दलील है कि गाजा पर बमबारी रोकने के लिए इस्राइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। बीते सप्ताह अरब सागर से मंगलुरु जाने वाले एमवी केम प्लूटो और लाल सागर में सऊदी अरब से आ रहे क्रूड ऑयल कैरियर एमवी साईं बाबा पर हमले को भारत ने बड़ी गंभीरता से लिया है। निस्संदेह, गुजरात तट से दो सौ समुद्री मील दूर प्लूटो पर हुआ हमला भारतीय नौसेना के लिये एक चुनौती जैसा था। दरअसल, इस हमले के बाद सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिये नौसेना ने समुद्री सुरक्षा से जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से तालमेल बनाना जरूरी समझा। भारत की इस प्रतिक्रिया में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी शामिल है क्योंकि भारत हिंद महासागर में सामान्य नौवहन सुनिश्चित करता है। दरअसल, जैसे-जैसे समुद्री सीमाओं पर चुनौतियां बढ़ रही हैं, भारत अपनी तैयारियों को तेज कर रहा है। हाल में उन्नत विध्वंसक मिसाइलों से लैस आईएनएस इम्फाल का जलावतरण इसी कड़ी का विस्तार है। यह भी नौसेना द्वारा विकसित व डिजाइन किये गए युद्धपोतों में शुमार है। वहीं अरब सागर में उतारे गये चार युद्धपोत अदन की खाड़ी में निगरानी करेंगे ताकि अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिवहन सुचारु रूप से संचालित हो सके। भारत का यह कदम जहां अपने हितों की रक्षा करने का है, वहीं क्षेत्र में एक बड़ा राष्ट्र होने के नाते उसे अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करना है। लेकिन इसके साथ ही भारत लाल सागर में अमेरिकी नेतृत्व में तैनात उन युद्धपोतों के समूह से अलग है जो लाल सागर में इस्राइली हितों के संरक्षण के लिये जमा हैं। दरअसल, भारत की प्राथमिकता इस बात को लेकर है कि इस मार्ग से होने वाला उसका अधिकांश कारोबार और अस्सी फीसदी कच्चा तेल व गैस सुरक्षित भारत पहुंच सके।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

पूरे विश्व को मानना होगा एक परिवार

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(वैश्विक परिवार दिवस पर विशेष)

दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें।

महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है।

आज भी दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं।

जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है।यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं।

वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की।

बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया गया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरुआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो। हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरुआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक-दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है। ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके।

नए साल के आगाज साथ ही वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस को हर साल एक जनवरी को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के सभी देशों, धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात-चीत के जरिए से निपटाया जाए और एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है। क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन बिताना है। इस दिन लोग एक साथ रात्रिभोज की योजना बनाते हैं और अन्य पारिवारिक गतिविधियों का आनंद लेते हैं जो उनके बंधन को मजबूत करते हैं और शांति को बढ़ावा देते हैं। परिवार के साथ मनोरंजक गतिविधियों में एक साथ शिविर लगाना या एक साथ खाना बनाना, पिकनिक पर जाना, ट्रेक और बहुत कुछ शामिल हो सकता है। इस दिन को समुदाय के हिस्से के रूप में मनाने के लिए आप उन संगठनों के लिए स्वयंसेवक बन सकते हैं जो समुदाय का निर्माण करते हैं, हिंसा को कम करते हैं और अपने परिवार के साथ सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। आप वैश्विक शांति की दिशा में प्रयासों के बारे में कोई भी फिल्म देख सकते हैं। आज पूरी दुनिया में युद्ध का वातावरण बना हुआ है। कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है तो कई देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हुए हैं। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जा रही है। लोग एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं। जरा जरा सी बात पर लड़ाई झगड़ा होने लगता है। ऐसे में वैश्विक परिवार दिवस हमारे लिए आशा की एक नई किरण लेकर आता है। इस दिवस से हमें पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में बनाने की प्रेरणा मिलती है। यदि हम वैश्विक परिवार दिवस की अवधारणा के अनुरूप एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना अपना कर काम करे तो दुनिया शांति के पथ पर चलने लगेगी और सही मायने में इस दिवस की सार्थकता भी सिद्ध हो सकेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आत्मनिर्भरता के कदमों से सैन्य तैयारी में मजबूती

रक्षा क्षेत्र

समाप्त हो रहा वर्ष 2023 रक्षा क्षेत्र के लिए विकास एवं उपलब्धियों वाला कहा जाएगा क्योंकि इस वर्ष देश की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए अनेक कार्य हुए और भारत रक्षा चुनौतियों से निपटने में सक्षम रहा। इस साल एलएसी पर चीन की नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए देश ने अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत किया। भारतीय सेना ने विषम पहाड़ी एवं भयंकर ठंड वाली परिस्थितियों में चीनी सेना की चुनौती से निपटने के लिए अपनी तैयारी में इजाफा किया। इसी तरह पाक सीमा पर मिलने वाली आतंकी चुनौतियों का बेहतर जवाब दिया गया। चीन की सीमा पर वर्ष 2020 में जो तनाव शुरू हुआ था वह अभी तक समाप्त नहीं हुआ। चीन ने अरुणाचल प्रदेश से लद्दाख तक, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड से सटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रखी है। इसके अलावा पाकिस्तान सीमा पर बढ़ती आतंकी घुसपैठ व गोलीबारी के कारण चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। चीन व पाक की इन हरकतों से निपटने के लिए जवानों को आक्रामक तौर पर मजबूत किया गया। सैन्य ताकत बढ़ाने के उद्देश्य से सेना के तोपखाने तथा वायु सेना के लड़ाकू विमानों की तैनाती बढ़ाई गई। इसके अलावा गहन युद्ध के लिए हथियार और गोला बारूद रखने की छूट दी गई। वर्ष 2023 के दौरान रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता की ओर काफी आगे बढ़ा। मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए विदेश से रक्षा आयात को कम करने का फैसला लेकर रक्षा उपकरणों को स्वदेशी कंपनियों से खरीदने के ऑर्डर दिए गए। डीएसी की बैठक में 97 तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान, 156 प्रचंड लड़ाकू हेलीकॉप्टर, तीसरे नये स्वदेशी विमानवाहक पोत के निर्माण, सुखोई-30 एमकेआई श्रेणी के 87 विमानों का आधुनिकीकरण, 5.56 गन 45 कार्बाइन, 200 माउंटेन गन सिस्टम, 400 टोड आर्टिलरी गन सिस्टम तथा मध्यम दूरी की जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइलों के खरीदे जाने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। इससे भारतीय सेनाओं की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। डीएसी की मंजूरी वाली 2.23 लाख करोड़ रुपये की यह खरीद घरेलू रक्षा उद्योगों से की जाएगी। वर्ष 2023 में रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया। इसके अलावा रक्षा निर्यात नई ऊंचाइयों को पार करते हुए 16000 करोड़ तक पहुंच गया। डीएसी ने तीसरे विमानवाहक पोत के निर्माण को मंजूरी दे दी है। नौसेना के पास अभी दो विमानवाहक पोत हैं। इनमें से विक्रमादित्य रूस से खरीदा गया था और विक्रान्त स्वदेश निर्मित है। नया विमानवाहक पोत स्वदेशी विक्रान्त की तरह ही होगा। यह पोत 40000 करोड़ की लागत से बनेगा। 45000 टन वजन वाला यह पोत कोचीन शिपयार्ड में बनाया जाएगा। इसकी लम्बाई 262 मीटर, चौड़ाई 62 मीटर और उंचाई 59 मीटर व गति 52 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। इस पर करीब 28 लड़ाकू विमानों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में हेलीकॉप्टर, मिसाइल और बमों जैसे खतरनाक हथियार तैनात रहेंगे। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की ताकत काफी बढ़ जाएगी। इसी तरह स्वदेशी गाइडेड मिसाइल विध्वंसक पोत 'सूरत' के शिखर का अनावरण 6 नवम्बर को किया गया। यह पोत शत्रु की पनडुब्बियों, युद्धपोतों, एंटी सबमरीन मिसाइलों और युद्धक विमानों का मुकाबला करने की क्षमता रखता है। नौसेना को स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक पोत आईएनएस इंफाल 26 दिसम्बर को मिल गया। यह समुद्र में शत्रु की चालबाजियों पर नजर रखेगा। यह सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस है। इसमें पोतरोधी मिसाइलें व तारपीडो भी लगे हैं। यह अत्याधुनिक हथियारों एवं सेंसरों से लैस उन्नत, शक्तिशाली तथा बहुआयामी युद्धपोत है। इस जहाज में ब्रह्मोस एसएसएम के अलावा एम.आर.सेम, तारपीडो ट्यूब लॉन्चर्स, एंटी सबमरीन रॉकेट लॉन्चर्स आदि की तैनाती शत्रु सेना के लिए काल बन जाएंगे। गत 22 नवम्बर को भारतीय नौसेना को तीसरी बार्ज नौका 'मिसाइल सह गोला बारूद बार्ज, एलएसएएम 9 (यार्ड 77) प्राप्त हो गई है। बार्ज नौका को मुम्बई के नौसेना डॉकयार्ड के आईएनएस तुणीर में शामिल किया गया। बार्ज नौका पर 8 मिसाइलों के साथ-साथ गोला बारूद भी लेकर जाया जा सकता है। इससे नौसेना के जरूरी सामान इधर से उधर ले जाने में जो मदद मिलेगी उससे नौसेना की परिचालन गतिविधियों को तेजी प्राप्त होगी। अब समुद्र तट के आसपास एवं बाहरी बंदरगाहों पर भारतीय जहाजों के लिए गोला बारूद की आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी। वायुसेना के लिए परिवहन विमान सी-295 का उत्पादन गुजरात के बड़ोदरा स्थित प्लांट में चालू होगा। अमेरिकी कंपनी जीई एरोस्पेस और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच जेट इंजन बनाए जाने को लेकर समझौता हुआ जिससे लड़ाकू विमान इंजन अब भारत में बनेंगे। भारतीय वायु सेना को 87 सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को उन्नत बनाने की अनुमति मिल गई है। लद्दाख क्षेत्र में सीमा पर टैंक व सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की तैनाती कर दी गई है। सेना की आपूर्ति व्यवस्था में कोई परेशानी न आए, इसके लिए सीमा पर बनाई सड़कों ने स्थिति बेहतर बना दी है। राफेल विमानों की तैनाती लद्दाख सीमा पर की गई जिससे चीन की किसी भी हरकत से निपटा जा सके। हल्के तेजस विमान भी मिग-21 विमानों की जगह ले रहे हैं। सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29 मल्टी रोल एयरक्राफ्ट और जगुआर जैसे विमान हर मौसम में लड़ाई को तैयार हैं। चीन से लगती सीमा के पास प्रमुख हवाई अड्डों पर हाईटेक मल्टीरोल हेलीकॉप्टर अपाचे एवं चिनूक हर मोर्चे पर खतरे निपटने को तैनात किए। इस तरह चीन व पाकिस्तान से किसी भी स्थिति में निपटने को वायु सेना तैयार है।

विचार मंथन

2006 से राज्यों के 138 बिल केंद्र सरकार के पास लंबित

(लेखक - सनत जैन)

केंद्र सरकार के पास 2006 से लेकर अभी तक के 158 बिल लंबित पड़े हुए हैं। जिनके बारे में या तो केंद्र सरकार ने फैसला नहीं लिया है या फिर राज्यों से जो जानकारी केंद्र द्वारा चाही गई थी, वह जानकारी राज्यों ने ही नहीं भेजी है। इन लंबित बिलों को केंद्र सरकार ने राज्यों को वापस भी नहीं भेजा है। कहा भी यही गया है कि केंद्र सरकार ने कुछ बिलों में राज्यों से जवाब मांगा था। राज्यों ने उसका जवाब नहीं दिया। कई बिल ऐसे हैं, जिसमें सरकार बदल गई, जो बिल केंद्र सरकार के पास लंबित थे, वह लंबित ही पड़े रह गए। जो बिल केंद्र सरकार के पास लंबित हैं उनमें शादी करने की स्वतंत्रता। ऑनर किलिंग, माब लींचिंग और गंभीर अपराध से संबंधित बिल केंद्र सरकार के पास लंबित पड़े हुए हैं। पिछले 1 साल में लंबित बिलों की संख्या सबसे ज्यादा बढ़ी है। केंद्र सरकार के पास विभिन्न राज्यों से भेजे गए 91 बिल अभी तक स्वीकृत नहीं किए गए हैं। ना ही उनके संबंध में केंद्र सरकार द्वारा कोई निर्णय लिया गया। सबसे अधिक 19 बिल तमिलनाडु के पेंडिंग बताए गए हैं। उसके बाद असम के 16 बिल, राजस्थान के 12, केरल, महाराष्ट्र ओर उत्तर प्रदेश के 11-11 बिल, आंध्र प्रदेश के 10 बिल गृह मंत्रालय में लंबित पड़े हुए हैं। मध्य प्रदेश सरकार के भी तीन बिल अटके हुए हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण बिल संगठित अपराध नियंत्रित करने से संबंधित था। जो पिछले 13 सालों से केंद्र के पास लंबित पड़ा हुआ है।

इस पूरे मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्र तो यही कहते हैं कि राज्य सरकारों से 247 बिल मंजूरी के लिए आए थे। इनमें से 89 बिल पास कर दिए गए हैं। शेष सभी बिल अभी लंबित हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि भाजपा शासित गुजरात का गुंडागर्दी पर रोक लगाने वाला बिल भी वर्षों से विचाराधीन है। जबकि पिछले 10 वर्षों से यहां डबल इंजन की सरकार है। हरियाणा सरकार का भी गैंगस्टर रोकथाम और अधिगृहीत भूमि का मुआवजा बिल लंबित पड़ा हुआ है। संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत गवर्नर राज्य की विधानसभा से पारित बिल केंद्र को भेजते हैं। उसके बाद केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही बिलों को लागू किया जा सकता है। केंद्र सरकार के पास जो बिल लंबित पड़े हुए हैं, उनमें सबसे पुराना बिल छत्तीसगढ़ सरकार का है। जो 2006 में भेजा गया था। केंद्र सरकार या तो इन्हें मंजूरी नहीं देने का कोई कारण बताएं, बिना कई वर्षों तक केंद्र सरकार, राज्यों के कानूनी बिलों को लटका कर रखती है। संघीय व्यवस्था में केंद्र एवं राज्य के जो अधिकार हैं। उन में राज्यों के अधिकारों का सतत हनन हो रहा है। अब लंबित बिलों से संबंधित मामला सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्यपालों ने भी अपने स्तर पर बिलों को रोकना शुरू कर दिया था। इसको लेकर राज्य सरकारें अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचीं हैं। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश से कुछ बिल राज्यपालों के यहां से क्लियर हुए हैं।

सैकड़ों बिल अभी भी केंद्र के पास लंबित पड़े हुए हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि जहां डबल इंजन की सरकारें हैं उसके बाद भी वहां की विधानसभाओं से पारित बिल लंबे समय तक केंद्र सरकार के पास लंबित हैं। वहीं जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वह राज्य सरकारें केंद्र सरकार के ऊपर आरोप लगाती हैं, कि वह उनके अधिकारों का हनन करती है। उनके काम में बाधा उत्पन्न करती हैं। संविधान प्रदत्त संघीय व्यवस्था में इसे एक बड़ा रोड़ा भी माना जा रहा है। इससे केंद्र एवं राज्यों के बीच के संबंधों में भी तलखी देखने को मिल रही है।

नव उत्साह और नवजीवन का संदेश देता नववर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीक़े से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग-अलग कोने में अलग-अलग दिन मनाया जाता है क्योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही क़रीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरुशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलैंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत है। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पती और मिश्री खाने की परम्परा है ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती - बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल क़रीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सभ्यताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तकरीबन सभी पुरानी सभ्यताओं के अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रुप में मनाया जाता है। एक-दूसरे की देखा-देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं है। इक्कीसवीं शताब्दी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग-अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर 'ग्रेगोरियन कैलेण्डर' है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन कैलेण्डरों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई हैं।

नये साल के लिए एक जनवरी ही क्यों!

उत्सव के रूप में मनाते हैं। राष्ट्र के स्वाभिमान व देश प्रेम को जगाने वाले अनेक प्रसंग चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से जुड़े हुए हैं। यह वह दिन है जिस दिन से भारतीय नव वर्ष प्रारम्भ होता है। आईये, इस दिन की महानता के प्रसंगों को देखते हैं -

एक जनवरी के नजदीक आते ही जगह-जगह हैप्पी न्यू ईयर के बैनर व होर्डिंग लगने लगते हैं। जश्न मनाने की तैयारियां प्रारम्भ हो जाती हैं। होटल, रेस्तरॉं, व पब इत्यादि अपने-अपने ढंग से इसके आगमन की तैयारियां करने लगते हैं। पोस्टर व कार्डों की भरमार के साथ दारू की दुकानों की भी चांदी कटने लगती है। कहीं कहीं तो जाम से जाम इतने टकराते हैं कि घटनाऐं दुर्घटनाओं में बदल जाती हैं और मनुष्य- मनुष्यों से तथा गाड़ियां गाडियों से भिडने लगते हैं। रात-रात भर जाग कर नया साल मनाने से ऐसा प्रतीत होता है मानो सारी खुशियां एक साथ आज ही मिल जायेंगी। हम भारतीय भी पश्चिमी अंधानुकरण में इतने सराबोर हो जाते हैं कि उचित अनुचित का बोध त्याग अपनी सभी सांस्कृतिक मर्यादाओं को तिलांजलि दे बैठते हैं। पता ही नहीं लगता कि कौन अपना है और कौन पराया।

जनवरी से प्रारम्भ होने वाली काल गणना को हम ईस्वी सन् के नाम से जानते हैं जिसका सम्बन्ध ईसाई जगत् व ईसा मसीह से है। इसे रोम के सम्राट जूलियस सीजर द्वारा ईसा के जन्म के तीन वर्ष बाद प्रचलन में लाया गया। भारत में ईस्वी सम्वत् का प्रचलन अग्रेंजी शासकों ने 1752 में किया। अधिकांश राष्ट्रों के ईसाई होने और अग्रेंजों के विश्वव्यापी प्रभुत्व के कारण ही इसे विश्व के अनेक देशों ने अपनाया। 1752 से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारम्भ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरुआत एक जनवरी से होने लगी। ईस्वी कलेण्डर के महीनों के नामों में प्रथम छः माह यानि जनवरी से जून रोमन देवताओं (जोनस, मार्स व मया इत्यादि) के नाम पर हैं। जुलाई और अगस्त रोम के सम्राट जूलियस सीजर तथा उनके पौत्र आगस्टस के नाम पर तथा सितम्बर से दिसम्बर तक रोमन संवत् के मासों के आधार पर रखे गये। जुलाई और अगस्त, क्योंकि सम्राटों के नाम पर थे इसलिए, दोनों ही इकतीस दिनों के माने गये अन्यथा कोई भी दो मास 31 दिनों या लगातार बराबर दिनों की संख्या वाले नहीं हैं। ईसा से 753 वर्ष पहले रोम नगर की स्थापना के समय रोमन संवत् प्रारम्भ हुआ जिसके मात्र दस माह व 304 दिन होते थे। इसके 53 साल बाद वहां के सम्राट नूमा पाम्पीसियस ने जनवरी और फरवरी दो माह और जोड़कर इसे 355 दिनों का बना दिया। ईसा के जन्म से 46 वर्ष पहले जूलियस सीजन ने इसे 365 दिन का बना दिया। सन् 1582 ई. में पोप ग्रेगरी ने आदेश जारी किया कि इस मास के 04 अक्टूबर को इस वर्ष का 14 अक्टूबर समझा जाये। आखिर क्या आधार है इस काल गणना का? यह तो ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होनी चाहिए।

जिस प्रकार ईस्वी सम्वत् का सम्बन्ध ईसा जगत से है उसी प्रकार हिजरी सम्वत् का सम्बन्ध मुस्लिम जगत और हजरत मुहम्मद साहब से है। किन्तु विक्रमी सम्वत् का सम्बन्ध किसी भी धर्म से न हो कर सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत व ब्रह्माण्ड के ग्रहों व नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना व राष्ट्र की गौरवशाली परम्पराओं को दर्शाती है। इतना ही नहीं, ब्रह्माण्ड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नव संवत् यानि संवत्सरों का वर्णन यजुर्वेद के 27वें व 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में विस्तार से दिया गया है। विश्व में सौर मण्डल के ग्रहों व नक्षत्रों की चाल व निरन्तर बदलती उनकी स्थिति पर ही हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इसी वैज्ञानिक आधार के कारण ही पाश्चात्य देशों के अंधानुकरण के बावजूद, चाहे बच्चे के गर्भाधान की बात हो, जन्म की बात हो, नामकरण की बात हो, गृह प्रवेश या व्यापार प्रारम्भ करने की बात हो, सभी में हम एक कुशल पंडित के पास जाकर शुभ लग्न व मुहूर्त पूछते हैं। और तो और, देश के बडे से बड़े राजनेता भी सत्तासीन होने के लिए सबसे पहले एक अच्छे मुहूर्त का इंतजार करते हैं जो कि विशुद्ध रूप से विक्रमी संवत् के पंचांग पर आधारित होता है। भारतीय मान्यतानुसार कोई भी काम यदि शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ किया जाये तो उसकी सफलता में चार चांद लग जाते हैं। वैसे भी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठता की उपासक है। जो प्रसंग समाज में हर्ष व उल्लास जगाते हुए एक सही दिशा प्रदान करते हैं उन सभी को हम

ऐतिहासिक महत्व

- यह दिन सृष्टि रचना का पहला दिन है। इस दिन से एक अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व इसी दिन के सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने जगत की रचना प्रारंभ की।
- विक्रमी संवत का पहला दिन - उसी राजा के नाम पर संवत् प्रारंभ होता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो, और न ही कोई भिखारी हो। साथ ही राजा चक्रवर्ती सम्राट भी हो। सम्राट विक्रमादित्य ने 2067 वर्ष पहले इसी दिन राज्य स्थापित किया था।
- प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक दिवस - प्रभु राम ने भी इसी दिन को लंका विजय के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिये चुना।
- नवरात्र स्थापना - शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात, नवरात्र स्थापना का पहला दिन यही है। प्रभु राम के जन्मदिन रामनवमी से पूर्व नौ दिन उत्सव मनाने का प्रथम दिन।
- गुरु अंगददेव प्रगटोत्सव - सिख परंपरा के द्वितीय गुरु का जन्म दिवस।
- आर्य समाज स्थापना दिवस - समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने हेतु स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना।
- संत झूलेलाल जन्म दिवस - सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल इसी दिन प्रगट हुए।
- शालिवाहन संवत्सर का प्रारंभ दिवस -विक्रमादित्य की भांति शालिनवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना।
- युगाब्द संवत्सर का प्रथम दिन - 5112 वर्ष पूर्व युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ।
- डा0 केशव राव बलीराम हैडगेबार जन्म दिवस - राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक थे।

प्राकृतिक महत्व

- वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों तरफ पुष्पों की सुगंधि से भरी होती है।
- फसल पकने का प्रारंभ यानि किसान की मेहनत का फल मिलने का भी यही समय होता है।
- नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिये यह शुभ मुहूर्त होता है।

क्या एक जनवरी के साथ ऐसा एक भी प्रसंग जुड़ा है जिससे राष्ट्र प्रेम जाग सके, स्वाभिमान जाग सके या श्रेष्ठ होने का भाव जाग सके। आइये! विदेशी को फैंक स्वदेशी अपनाऐं और गर्व के साथ भारतीय नव वर्ष यानि विक्रमी संवत् को ही मनायें तथा इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।

अनेकता में एकता का नववर्ष

हमारा देश अनेकता में एकता की परंपरा को सहेज रहा है। यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी के साथ अनेक धर्म और समुदायों के लोग अपनी-अपनी संस्कृति को निभाते हुए नया साल मनाते हैं। इन सबके अपने अलग-अलग त्योहार और रीति-रिवाज हैं। जिस प्रकार सभी समुदायों के कुछ विशेष पर्व हैं जिन्हें सभी एक साथ मिलकर मनाते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक समुदाय के नए वर्ष भी अलग-अलग हैं और सभी एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करते हैं। अन्य पर्वों की तरह हर समुदाय के नववर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

चैत्र प्रतिपदा

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतेय नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत से माना जाता है। एक साल में बारह महीने और सात दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है।

हिजरी सन

मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी-अभी शुरू हुआ है।

ओणम

मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं।

सूर्य देव को अर्पित होता है प्रसाद

तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14-15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

महाराष्ट्रीयन समाज का नववर्ष

महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनाकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। गुड़ी को घरों के बाहर लगाया जाता है और सुख संपन्नता की कामना की जाती है।

नववर्ष बैसाखी

गीत-संगीत की अनोखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्दा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष 13-14 अप्रैल को मनाई जाती है।

नवरोज का प्रारंभ

पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमजेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। यह 19 अगस्त को मनाया जाता है।

दीपावली है नया साल

जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है।

परीवा से नया साल

सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन पड़ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बंगाली समुदाय का नया वर्ष

अपनी विशेष संस्कृति से जाने-पहचाने जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही-खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही-खाता बंगाली में कहें तो हाल-खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

सभी कहते हैं नया वर्ष मुबारक हो

सभी समुदायों के साथ ही एक ऐसा नया साल है जिसे सभी वर्गों, समुदायों द्वारा मान लिया गया है। वह है अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मनाया जाने वाला नया साल। जिसकी शुरुआत जनवरी में होती है। जनवरी में नए वर्ष का प्रारंभ हो गया है। आजकल इसी पंचांग को सर्वमान्य रूप से नए वर्ष की शुरुआत मान लिया गया है। सारे सरकारी कार्य और लेखा-जोखा इसी के अनुसार संचालित किए जाते हैं।

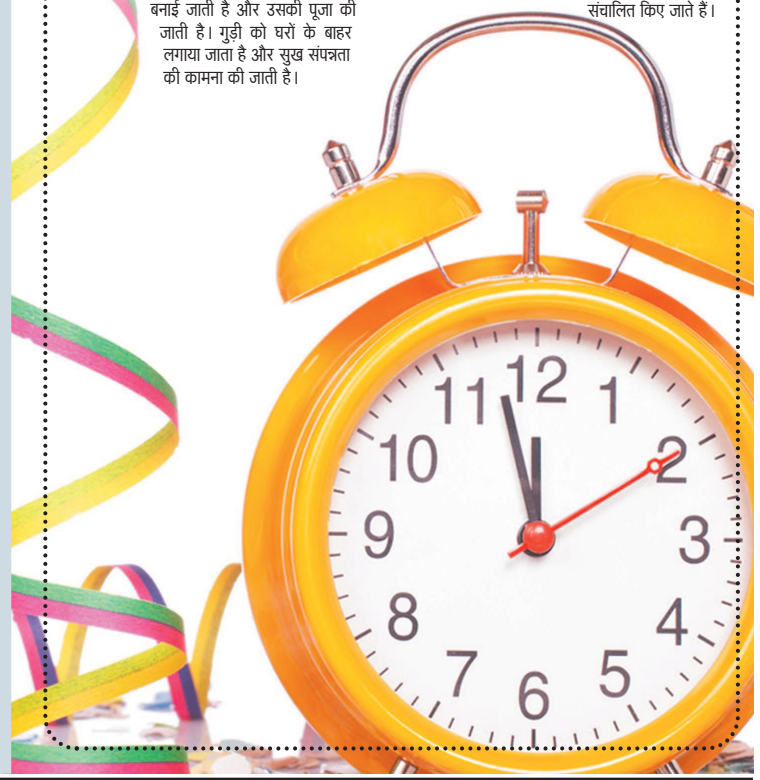

म्यूचुअल फंड में पैसे लगाने से भी बन सकते हैं लखपति

नई दिल्ली । सीधे शेयर बाजार में निवेश करने की बजाय म्यूचुअल फंड के स्मॉल कैप में निवेश करके लाखों की कमाई कर सकते हैं। जानकार कहते हैं कि अगर आप स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन आपको शेयर बाजार की जानकारी नहीं है तो स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। साल 2023 में ऐसे कई म्यूचुअल फंड रहे हैं जिन्होंने 1 साल में निवेशकों को 50 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने पिछले एक साल में निवेशकों को 53 फीसदी का रिटर्न दिया है। जबकि निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड ने 49 फीसदी और सुंदरम स्मॉल कैप फंड ने 45 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स ने अपने मिडकैप और लार्जकैप प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में इस साल अब तक 46 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया है। क्वांटम स्मॉल कैप फंड 2023 में 48 प्रे तिशत, एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड 1 साल में 46 प्रतिशत, आईसीआईसीआई प्रू स्मॉल कैप फंड 38प्रतिशत, कोटक स्मॉल कैप फंड 35प्रे तिशत, एक्सिस स्मॉल कैप फंड 34प्रे तिशत, डीएसपी स्मॉल कैप फंड ने बंपर रिटर्न दिया है। 42 फीसदी का रिटर्न और इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड ने 45 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया है। आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड ने साल 2023 में बंपर रिटर्न दिया है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, इजरायल-हमास विवाद के कारण भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच अमेरिकी सेंट्रल बैंक द्वारा ब्याज दरों में बदलाव को लेकर काफी काम हुआ है। साल 2023 में अब तक स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में 37180 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। जानकारों की मानें तो अगर शेयर बाजार में सीधे निवेश करने से बचते हैं और स्मॉल कैप शेयरों की समझ न होने के कारण कमाई नहीं कर पा रहे हैं तो स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेश कर अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

नवंबर महीने में लोगों ने कम लिया पर्सनल लोनः आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से ऋणों के लिए दंडात्मक जोखिम भार लगाने के बीच नए व्यक्तिगत ऋणों के वितरण में वृद्धि की दर नवंबर में घटकर 18.6 प्रतिशत रह गई। पिछले साल की समान अवधि में व्यक्तिगत ऋण खंड की वृद्धि दर 19.9 प्रतिशत रही थी। आरबीआई ने नवंबर के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रवार आवंटन पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि व्यक्तिगत ऋण आवंटन में सुस्ती के लिए आवास खंड में ताजा ऋण वृद्धि में आई सुस्ती भी जिम्मेदार है।आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त रूप से नवंबर के अंत में ताजा व्यक्तिगत ऋण वितरण 50,56,524 करोड़ रुपए था, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 41,80,838 करोड़ रुपए था। हालांकि, इस साल नवंबर महीने की व्यक्तिगत ऋण आवंटन वृद्धि गिरकर 18.6 प्रतिशत हो गई, जबकि नवंबर, 2022 में यह 19.9 प्रतिशत दर्ज की गई थी। आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों में 41 बैंकों द्वारा दिए गए ऋण शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में अभी तक व्यक्तिगत ऋण में 20.9 प्रतिशत वृद्धि हुई है। कुल राशि में से, उद्योग क्षेत्र को ऋण की वृद्धि नवंबर 2023 में सालाना आधार पर 6.1 प्रतिशत घटकर 36,00,876 करोड़ रुपए हो गई।

नए साल में बदलेगा ट्रेडिंग का तरीका, शनिवार को भी खुलेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली ।

आमतौर पर शेयर बाजार में शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होता है। लेकिन साल 2024 के जनवरी महीने में शनिवार के दिन बाजार में ट्रेडिंग होने वाली है। दरअसल नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने डिजास्टर रिकवरी साइट पर स्विच करने के लिए 2 विशेष सत्र आयोजित किए हैं। यह विशेष सत्र 20 जनवरी 2024 को होने जा रहा है। इस दिन शनिवार है। इसमें पहला सत्र सुबह 9:15 बजे से शुरू होगा। यह सुबह 10 बजे समाप्त होगा। वहीं दूसरा सत्र सुबह 11:30 बजे शुरू होकर दोपहर में 12:30 बजे बंद होगा। नए साल में इस ट्रेडिंग सेशन के जरिए स्टॉक एक्सचेंज डिजास्टर रिकवरी साइट का ट्रायल किया जाएगा। एनएसई से इस बारे में एक सर्कुलर भी जारी किया गया है। इसमें कारोबारी सत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। सर्कुलर के मुताबिक सुबह 9 बजे से 9 बजकर 8 मिनट तक प्री ओपन सेशन होगा। इसके बाद सामान्य बाजार सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर खुलेगा। यह 10 बजे बंद हो जाएगा। इस दौरान ट्रेडिंग प्राइमरी वेबसाइट पर होगी। इसके बाद दूसरा विशेष लाइव ट्रेडिंग सेशन डीआर साइट पर होगा। इस दूसरे विशेष लाइव

सेशन में, प्री ओपन सेशन सुबह 11 बजकर 15 मिनट से शुरू होगा। यह सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर बंद होगा। सामान्य बाजार सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर खुलेगा। यह दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर बंद होगा। वहीं प्री क्लोजिंग सेशन दोपहर 12:40 बजे से 12:50 बजे तक होगा।

नव वर्ष के जश्न को लेकर उत्साह, होटल कारोबार बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली । कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बाद भी फिर लोग बिना किसी डर के नए साल का जश्न मनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। ऐसे में होटल या आतिथ्य क्षेत्र अपनी कमाई में अच्छी-खासी बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहा है। होटलों में खाने-पीने के लिए आने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, वहीं रिजॉर्ट स्थलों पर बुकिंग में भी जोरदार उछाल देखने को मिला है। होटल क्षेत्र के कुछ कारोबारियों ने कहा कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष में उन्हें अपने राजस्व में 19 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोविड के मामले बढ़ने की खबरों से जश्न की तैयारी कर रहे लोगों की भावना पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसके अलावा आतिथ्य क्षेत्र के प्रतिष्ठान कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं। कुल मिलाकर भावना सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि मौजूदा शादी-विवाह और त्योहारी सीजन की वजह से भी घरेलू स्तर पर लोगों की यात्राएं बढ़ी हैं।

बढ़ती मांग, घटती महंगाई से निर्यात के लिए अच्छा रहेगा नया साल

नई दिल्ली ।

विकसित देशों में मुद्रास्फीति घटने, ब्याज दरें कम होने, वैश्विक मांग में धीरे-धीरे सुधार और अन्य कारकों से नया साल देश के निर्यात के लिए अच्छा रह सकता है। माना जा रहा है कि 224 में देश का कुल निर्यात 900 अरब डॉलर के आंकड़े से अे धिक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन वस्तुओं की तुलना में बेहतर रहेगा। देश का कुल निर्यात 2024 में 900 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। इसके 2023 में 764 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। माना जा रहा है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिरता, लातिनी अमेरिका और अफ्रीका जैसे नए बाजारों पर ध्यान, मोबाइल और ताजा फल जैसी नई वस्तुओं, ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से भी देश को निर्यात के मामले में नए साल में स्वस्थ वृद्धि दर्ज करने में मदद मिलेगी।भू-राजनीतिक दबाव और महामारी के बाद चीन के धीमे पुनरुद्धार सहित विभिन्न चुनौतियों के कारण इस वर्ष निर्यात पर असर पड़ने के बावजूद भारत के वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातकों ने विकसित के साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अवसरों का लाभ उठाया। चालू वर्ष की शुरुआत निर्यात में गिरावट के साथ हुई। जून में निर्यात में 19 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि, नवंबर, 2023 में निर्यात में गिरावट कम होकर 2.83 प्रतिशत रह गई। एक अधिकारी ने बताया कि वस्तुओं का निर्यात अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत बढ़ा है और यह रुख 2024 में भी जारी रहने की उम्मीद है। 2024 में इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, वाहन और वाहन कलपुर्जों, उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पाद, फार्मास्युटिकल्स, चिकित्सा और नैदानिक उपकरणों का निर्यात 2024 में और आगे बढ़ने की संभावना है।

सेंसेक्स की 10 में से आठ प्रमुख कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.29 लाख करोड़ बढ़ा

- सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,29,899.22 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन सबसे अधिक 29,828.84 करोड़ रुपये बढ़कर 12,97,972.04 करोड़ रुपये, एलआईसी के बाजार मूल्यांकन 25,426.49 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,062.06 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 24,510.96 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,645.54 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर की 20,735.14 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,25,778.39 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 13,633.07 करोड़ रुपये बढ़कर 17,48,827.92 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन 9,164.74 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,76,809.77 करोड़ रुपये, एसबीआई का पूंजीकरण 4,730.04 करोड़ रुपये बढ़कर 5,72,915.46 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 1,869.94 करोड़ रुपये बढ़कर 6,98,965.47 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के विपरीत टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 11,105.22 करोड़ रुपये घटकर 13,88,591.70 करोड़ रुपये रह गया।

इन्फोसिस की बाजार हैसियत में 7,946.24 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,40,351.80 करोड़ रुपये पर आ गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, आईटीसी, एसबीआई और एलआईसी का स्थान रहा।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली तेल सुधार, अन्य में गिरावट

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली तेल कीमत में सुधार देखा जा रहा है ले किन बाकी सरसों, सोयाबीन तेल-तिलहन, मूंगफली तिलहन, कच्चा पामतेल, पामोलीन दिल्ली एवं एक्स-कांडला तथा बिनौला तेल गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 20 रुपये की गिरावट के साथ 5,275-5,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 100 रुपये घटकर 9,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15 और 15 रुपये के नुकसान के साथ क्रमशः 1,650-1,745 रुपये और 1,650-1,750 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 25-25 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 4,910-4,970 रुपये प्रति क्विंटल और 4,720-4,770 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 300 रुपये, 250 रुपये और 125 रुपये के नुकसान के साथ क्रमशः 9,350 रुपये और 9,250 रुपये और 7,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मूंगफली तेल की मांग कमजोर रहने के बीच मूंगफली तिलहन की खरीद कमजोर रहने से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन के दाम 10 रुपये की गिरावट के साथ 6,715-6,790 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। जबकि तिलहन के नुकसान की भरपाई करने के लिए तेल के दाम ऊंचा बोले जाने से मूंगफली तेल कीमतें मजबूत रहीं। वैसे ऊंचे भाव पर लिवाली यहां भी कमजोर बनी हुई है। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव क्रमशः 80 रुपये और 10 रुपये के लाभ के साथ क्रमशः 15,780 रुपये क्विंटल और 2,355-2,630 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 40 रुपये के नुकसान के साथ 7,560 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आंकड़ों से तीसरी-चौथी तिमाही में मजबूत वृद्धि के संकेतः वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।

अक्टूबर और नवंबर के दौरान वाहन बिक्री और बिजली की खपत सहित तेज गति से मिलने वाले संकेतक (एचएफआई) वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी और चौथी तिमाही में मजबूत आर्थिक गतिविधियों की तरफ इशारा कर रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में यह बात कही। अक्टूबर और नवंबर 2023 में एचएफआई से मजबूत आर्थिक गतिविधियों का पता चलता है। आईआईपी और आठ प्रमुख ढांचागत उद्योगों के सूचकांक भी अक्टूबर में विनिर्माण गतिविधियों में वृद्धि को दर्शाते हैं। वित्त मंत्रालय की वित्त वर्ष 2023-24 की अर्द्धवार्षिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि उन्नत देशों में मुद्रास्फीति के बढ़ते दबाव और लगातार भू-राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति-श्रृंखला में फिर से बाधा पैदा हो सकती है। देश ने सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की जून छमाही में जीडीपी 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी। रिपोर्ट कहती है कि मजबूत घरेलू मांग होने से विनिर्माण और सेवाओं के मूल्य-वर्धन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके मुताबिक, नीतिगत दरों में बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति में नरमी आई है लेकिन यह निर्धारित लक्ष्य तक लाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इससे मौद्रिक सख्ती का दौर लंबा खिंच सकता है और वैश्विक उत्पादन में कम वृद्धि का सबब बन सकता है।

नए साल में भी तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

नई दिल्ली ।

भारत ने 2023 में वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रखा। बढ़ती मांग, घटती महंगाई, स्थिर ब्याज दर परिदृश्य और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से 2023 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था की चमक बनी रही। दुनिया के विकसित देशों में व्यापक निराशावाद और बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद मार्च तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही। जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि सितंबर तिमाही में वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रही। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार दिसंबर तिमाही में भी जारी रहने की उम्मीद है। इस तरह भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यानी भारत इस मामले में चीन से आगे रहेगा। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के ताजा वृद्धि अनुमान के अनुसार भारत 2023 में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा, जो चीन और ब्राजील की वृद्धि दर क्रमशः 5.2 प्रतिशत और तीन प्रतिशत से कहीं अधिक है। ओईसीडी का अनुमान है कि 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि चीन की वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत रहेगी। हालांकि भारत के संदर्भ में ओईसीडी के वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान को कुछ कम माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर

अमेरिका, ब्रिटेन और जापान सहित कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में नए साल में आर्थिक वृद्धि दर में या तो गिरावट आ सकती है, या इनमें मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विश्व आर्थिक परिदृश्य के अनुसार वैश्विक वृद्धि 2022 में 3.5 प्रतिशत से घटकर 2023 में तीन प्रतिशत और 2024 में 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वेश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर रहे। तेल विपणन करने वाली कंपे निपयों की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.61 प्रतिशत उतरकर 71.33 डॉलर प्रति बैरल और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत गिरकर 77.08 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही- दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.73 रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.33 रुपए प्रति

लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है।

नए साल में 70 हजार पहुंच सकता है सोना, चांदी भी चमकेगी

फिलहाल एमसीएक्स पर सोना 63,060 रुपये प्रति 10 ग्राम

मुंबई । नए साल 2024 में भी पीली धातु की चमक बरकरार रहेगी। अगले वर्ष सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की स्थिरता, भूराजनीतिक अनिश्चितता और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के कारण नए साल में भी सोना चमकता रहेगा। फिलहाल जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स में सोना 63,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। वैश्विक बाजार में यह 2,058 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास है। दिसंबर की शुरुआत में वैश्विक तनाव से पश्चिम एशिया में सोने के भाव फिर चढ़ गए। उभरते बाजार के कारोबारियों का अनुमान है कि ब्याज दर में बढ़ोतरी का चक्र कमोबेश समाप्त हो चुका है। हालांकि इस साल सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव रहा। घरेलू बाजार में चार मई को पीली धातु का भाव 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया।

वैश्विक बाजारों में यह 2,083 डॉलर प्रति औंस की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बाद में 16 नवंबर को सोना 61,914 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि खुदरा आभूषण खरीदारी को भारत और चीन में उच्च घरेलू कीमतों से प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि मौजूदा रफ्तार जारी रहती है, तो केंद्रीय बैंकों की मांग पिछले साल के रिकॉर्ड से अधिक हो सकती है। उन्होंने कहा कि सोने का भाव भले ही कुछ समय तक ऊंचा बना रहे, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल, धीमी वैश्विक वृद्धि और आर्थिक अनिश्चितता की वजह से पीली धातु का आकर्षण बना रहेगा। एक अन्य बाजार विशेषक कहते हैं कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बिक्री पर असर पड़ा है और 30-35 लाख शादियों के बावजूद इस साल पीली धातु का कारोबार कमोबेश 2022 जैसा ही रहेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरें घटाने और भूराजनीतिक तनाव जारी रहने, कमजोर रुपये से सोने को समर्थन मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 2,250-2,300 डॉलर प्रति औंस पर जा सकता है। घरेलू बाजार में यह 68,000-70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक जा सकता है।

साल के आखिरी कारोबार में अडानी की कमाई में 1.10 अरब डॉलर का इजाफा

- एलन मस्क की आय में सबसे ज्यादा 3.36 अरब डॉलर की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

साल के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को दुनियाभर के ज्यादातर प्रमुख अमीरों की कमाई में गिरावट देखने को मिली। भारत में भी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। लेकिन इस गिरावट में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की लॉटरी लग गई। अडानी ग्रुप की दस लिस्टेड कंपनियों में से नौ के शेयर तेजी के साथ बंद हुआ और अडानी की आय में 1.10 अरब डॉलर यानी करीब 91,57,37,35,000 रुपये का इजाफा हुआ। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक साल के आखिरी कारोबारी दिन अडानी दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अमीर रहे। इसके साथ ही उनकी आय 84.3 अरब डॉलर पहुंच गई है। वह दुनिया के रईसों की सूची में 15वें स्थान पर हैं। शुक्रवार को अडानी ग्रुप की दस में से नौ कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में दो फीसदी से ज्यादा तेजी रही जबकि अडानी एंटरप्राइजेज, एसीसी और अंबूजा सीमेंट्स के शेयरों में एक फीसदी से अधिक तेजी आई। इससे साल जाते-जाते अडानी की कमाई ज्यादा रही। इस साल उनकी कमाई में 36.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अडानी प्रमुख 20 अमीरों में मुनाफा गंवाने वाले एकमात्र शख्स हैं। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में काफी गिरावट आई। शुक्रवार को दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की आय में सबसे ज्यादा 3.36 अरब डॉलर की गिरावट आई। इससे पहले गुरुवार को भी उनकी आय में पांच अरब डॉलर से ज्यादा गिरावट आई थी। हालांकि इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में मस्क पहले नंबर पर हैं। इस साल उनकी आय में 92 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है और वह 229 अरब डॉलर के मुनाफे के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में पहले नंबर पर बने हुए हैं। इस सूची में फ्रांस के कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट 179 अरब डॉलर के मुनाफे के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी कमाई में 17 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस (177 अरब डॉलर) इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं। माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स (141 अरब डॉलर) चौथे, स्टीव बालमर (131 अरब डॉलर) पांचवें, फेसबुक के मार्क जकरबर्ग (128 अरब डॉलर) छठे, लैरी पेज (126 अरब डॉलर) सातवें, लैरी एलिसन (123 अरब डॉलर) आठवें, सर्गेई ब्रिन (120 अरब डॉलर) नौवें और वॉरेन बफे (120 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन बोले, ऋषभ शानदार वापसी करेंगे

दुबई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है भारतीय टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह नये साल में जबरदस्त वापसी करेंगे। ऋषभ गत वर्ष हुए एक कार हादसे से अब उबर गये हैं और वापसी की तैयारियों के तहत जिम में अभ्यास कर रहे हैं। उनके नये साल में आईपीएल से मैदान में उतरने की उम्मीद है। हुसैन शुरु से ही ऋषभ की आक्रामक बल्लेबाजी शैली को पसंद करते रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये बल्लेबाज साल 2024 में वापसी के साथ ही खेल में अंतर पैदा करेगा। ऋषभ के बाहर होने के बाद केएल राहुल ने उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली है और पिछले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 75.33 की औसत से 452 रन बनाए थे। हुसैन ने कहा, भारत ने ऋषभ के बिना भी अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि राहुल ने सभी प्रारूपों में बेहतर बल्लेबाजी की । वे शानदार बने रहेंगे। वे भाग्यशाली हैं कि उनके पास ये दोनों बेहतर खिलाड़ी हैं। भारत के पास कई अच्छे बल्लेबाजी विकल्प हैं पर इस पूर्व कप्तान का मानना है कि युवा सलामी बल्लेबाज शुबमन गिल 2024 और उसके बाद और बेहतर होंगे। वह अपने कौशल को और बेहतर स्तर तक ले जाने और दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में से एक बनने का प्रयास करेंगे।

केपटाउन टेस्ट में वापसी के लिए रोहित सहित पूरी टीम को करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

केपटाउन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को अब 3 जनवरी से मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। रोहित पहले टेस्ट में रन नहीं बनाये थे। इस मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे। दो मैचों की इस सीरीज को बराबरी पर लाने के लिए अब भारतीय टीम को अगला मुकाबला जीतना ही होगा। भारतीय टीम के लिए हालांकि वापसी आसान नहीं रहेगी क्योंकि मेजबान टीम के हौंसले पहले टेस्ट में जीत से बुलंद हैं।

भारतीय टीम को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो कप्तान रोहित के अलावा उनके सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल को भी जिम्मेदारी से खेलना होगा। दोनों को बाहर की गेंद पर ड्राइव करने की जगह छोड़ना पड़ेगा। नई गेंद से विकेट नहीं मिलने से दक्षिण अफ्रीका की टीम को हावी होने का अवसर नहीं मिलेगा।

इसके साथ ही कप्तान रोहित को गेंदबाजों का सही प्रयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम गेंदबाजों का सही इस्तेमाल नहीं कर पाए। उन्होंने लगातार रन दे रहे शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा को एक साथ गेंदबाजी दे दी। पहले मैच में भारतीय टीम 6 प्रमुख बल्लेबाज और 5 गेंदबाज के साथ उतरी थी। शार्दुल और अश्विन बल्लेबाजी कर सकते हैं प कठिन हालातों में इनफर भरोसा नहीं किया जा सकता है। भारतीय टीम को मेजबान टीम की तरह ही 7 प्रमुख बल्लेबाजों के साथ उतरना पड़ेगा।

इसके साथ ही भारतीय बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी होगी। पहली पारी में श्रेयस अय्यर तो दूसरी पारी में शुभमन गिल ने जमने के बाद अपने विकेट गंवा दिये थे। वहीं विराट भी पहली पारी में जमने के बाद आउट हुए। भारतीय बल्लेबाजों को दूसरे मैच में इससे बचना पड़ेगा। इसके अलावा मेजबान टीम को भी कम स्कोर पर समेटना होगा।

दूसरे टेस्ट में होगी भारतीय गेंदबाजों की असली परीक्षा : डोनाल्ड

केपटाउन ।

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एलेन डोनाल्ड का मानना है कि दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाजों की असली परीक्षा होगी। डोनाल्ड ने कहा कि सेंचुरियन में पहले टेस्ट के लिए गेंदबाजों की सहायक पिच पर भी भारतीय खिलाड़ी प्रभाव नहीं छोड़ पाये। ऐसे में अब न्यूलैंड्स में बल्लेबाजों की अनुकूल पिच पर उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना होगा। साथ ही कहा कि इस पिच पर स्पिनरों को सहायता नहीं मिलेगीहोगी। भारतीय टीम को सेंचुरियन में हार का सामना करना पड़ा था। इस पिच पर मिली उछाल का लाभ भारतीय गेंदबाज नहीं उठा पाये थे। डोनाल्ड ने कहा, 'पहले टेस्ट में मेजबान टीम ने हालातों का बेहतर तरीके से लाभ उठाया। उन्होंने कहा, 'लेकिन उन्होंने एक चीज भारत से बेहतर की, वे इस चीज में काफी संयमित रहे और उन्होंने दूसरी पारी में शॉर्ट गेंद का थोड़ा अधिक इस्तेमाल किया। डोनाल्ड के अनुसार भारतीय गेंदबाज चीजें ठीक होने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए युवा प्रसिद्ध कृष्णा ने पदार्पण किया था पर वह प्रभावी नहीं रहे। वहीं जसप्रीत बुमराह सहित अन्य भारतीय गेंदबाज काफी जल्दी शॉर्ट गेंद डालने लगे इससे उनकी लेंथ खराब हो गयी। इसी का लाभ दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उठाया। उन्होंने कहा, 'केपटाउन में हालात कठिन होंगे, दोनों टीमें हालांकि काफी ऊर्जा से भरी होगी। उन्होंने कहा, 'आपको केपटाउन में ज्यादा रचनात्मक होना होगा क्योंकि विकेट काफी ज्यादा सपाट है और भागीदारियां बढ़ेंगी जिससे यह काफी मुश्किल टेस्ट होगा। डोनाल्ड ने कहा कि अगर भारत को वापसी करनी है तो उसके गेंदबाजों को नयी गेंद का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा, 'सबसे ज्यादा जोर नयी गेंद पर होगा क्योंकि पारंपरिक रूप से अगर न्यूलैंड्स में दक्षिण पश्चिम की हवा बहेगी तो इससे पिच सूख जाएगी। मुझे नहीं लगता कि पिच टर्न होगी। साथ ही कहा कि ये स्पिनरों के लिए नुकसानदेह होगा। ऐसे में भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को शायद ही अंतिम ग्यारह में अवसर मिले।

दबंग दिल्ली के कोच रामबीर सिंह खोखर ने कहा, 'आशु ने टीम में नवीन की भूमिका निभाई है'

नोएडा, दबंग दिल्ली केसी ने अपने स्टार रेडर नवीन के बिना भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को नोएडा में यूपी योद्धाज को 35-25 से हरा दिया। नवीन के घुटने की चोट से उबरने के दौरान मैच खेलने के बारे में दबंग दिल्ली केसी के मुख्य कोच रामबीर सिंह खोखर ने कहा, नवीन के बिना खेलना मुश्किल है क्योंकि वह बहुत अच्छे रेडर हैं और हमारे लिए बहुत सारे अंक लाते हैं। हालांकि, आशु ने जिम्मेदारी संभाली है। उनकी भूमिका और रक्षा इकाई के समर्थन ने हमें योद्धाओं को हराने में मदद की। इस बीच, मैच में 11 रेड पॉइंट हासिल करने वाले स्टैंड-इन कैप्टन आशु मलिक ने कहा, हमारे कोच ने मुझसे कहा कि मुझे नवीन की जम्मिदारी लेने की ज़रूरत है क्योंकि वह वहां नहीं थे और मंजीत को मेरी भूमिका निभाने की ज़रूरत थी। सभी ने वास्तव में अच्छा खेला और हमारी रक्षा इकाई ने हमलावरों का शानदार ढंग से समर्थन किया। मलिक ने आगे कहा, हमारी टीम में कई अच्छे रेडर हैं। मीतू शर्मा, मंजीत और मैं हूं। इसके अलावा, हमारी बेंच पर भी अच्छे रेडर हैं। और हर कोई अच्छी फॉर्म में है। जहां दिल्ली की रक्षा इकाई ने योद्धाओं के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, वहीं डिफेंडर मोहित खेल में टैकल प्वाइंट हासिल नहीं कर सके। मोहित के खेल के बारे में पूछे जाने पर, हेड कोच ने कहा, मोहित ने अपनी भूमिका असाधारण रूप से निभाई। यह केवल टैकल पॉइंट स्कोर करने के बारे में नहीं है। उन्होंने यूपी योद्धाओं के खिलाफ रेडर्स को पकड़ने में डिफेंडरों का समर्थन किया। और वह नियमित रूप से टैकल पॉइंट भी स्कोर कर रहे हैं। उन्होंने पवन सहरावत जैसे शीर्ष रेडर को भी पकड़ा है।

न्यूजीलैंड ने तीसरे ट्वेंटी20 में बांग्लादेश को हराकर सीरीज में बराबरी हासिल की

माउंट मोनगानुई ।

न्यूजीलैंड ने बारिश से बाधित तीसरे ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को डकवर्थ लुईस नियम से 17 रन से हरा दिया। इस मैच में न्यूजीलैंड टीम की जीत में मिशेल सैंटनर और जिम्मी नीशाम की अहम भूमिका रही। इन दोने ने कठिन हालातों के बीच 46 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी। इस हार के साथ ही बांग्लादेश का न्यूजीलैंड में पहली सीरीज जीतने का सपना भी टूट गया। अब ये सीरीज 1-1 से बराबर पर पहुंच गयी है। इस मैच में बांग्लादेश की टीम कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 19.2 ओवर में 110 रन ही बना पायी। कप्तान नजमुल शांटो ने सबसे अधिक 17 रन बनाये। उसके पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इसके बाद छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसका शीर्ष क्रम लड़खड़ा गया। टीम के पांच विकेट 50 रनों के अंदर ही गिर गये पर इसके बाद जिमी नीशाम ने नाबाद 28 रन और मिशेल सैंटनर ने नाबाद 18 रन बनाकर अपनी टीम को पांच विकेट पर 95 रनों तक पहुंचाया।

इसके बाद बारिश के कारण मैच रुक गया। न्यूजीलैंड को जीत के लिए डकवर्थ लुईस नियम के तहत 14.4 ओवर में 79 रन बनाने थे। इस सीरीज का पहला मैच बांग्लादेश ने जीता था। दूसरा मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।

संक्षिप्त समाचार

नये साल में सबसे ज्यादा 17 टेस्ट खेलेगी इंग्लैंड

भारतीय टीम को खेलने हैं 15 टेस्ट

लंदन । भारतीय टीम के लिए साल 2023 कुछ खास नहीं रहा और वह आईसीसी खिताब के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अलावा एकदिवसीय विश्वकप में भी खिताब के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। अब नये साल में भारतीय टीम 15 टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं अगर आंकड़ों की बात करें तो इंग्लैंड टीम को सबसे ज्यादा 17 टेस्ट मैच साल 2024 में खेलने हैं। दूसरी ओर जिमबाब्वे और आयरलैंड को सबसे कम टेस्ट खेलने हैं। बांग्लादेश की टीम को 14 जबकि न्यूज़ीलैंड को 13 व दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को 10-10 मैच खेलने हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान,आयरलैंड और जिम्बाब्वे को 9-9 मैच खेलने हैं। भारतीय टीम जनवरी 2025 तक 16 और टेस्ट खेलेगी। इस नये साल में भारतीय टीम की नजरें टी20 विश्वकप पर रहेंगी। टी20 विश्व कप अमरीका और विंडीज धरती पर होना है।

कमजोर क्षेत्ररक्षण के कारण ऑस्ट्रेलिया से हारे : कोच अमोल मजूमदार

मुंबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में हार के लिए टीम के कमजोर क्षेत्ररक्षण को जिम्मेदार बताया है। मजूमदार ने कहा कि टीम को अपना क्षेत्ररक्षण बेहतर करना होगा। भारतीय महिला टीम को इस मैच में हार के साथ ही मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ लगातार नौवीं श्रृंखला में हार मिली है। पड़ा। कोच के अनुसार इस मैच में भारतीय टीम ने कमजोर क्षेत्ररक्षण किया। मैच में कई कैच भी छोड़े गये। वहीं अहम बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया का भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीतने का रिकार्ड बरकरार है। मजूमदार ने कहा, 'हम क्षेत्ररक्षण बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस मैच में हमारा क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा था। उन्होंने कहा, 'हमने मैच में करीब छह कैच छोड़े पर ये खेल में होता है पर अब हम इस कमी को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। अगर हमें इस सीरीज के बाद समय मिला तो हम क्षेत्ररक्षण और फिटनेस बेहतर बनाने के प्रयास करेंगे।

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए अभ्यास में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम

रूपिंदर सिखा रहे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने का कौशल

बेंगलुरु ।

भारतीय महिला हॉकी नये साल की शुरुआत में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारियों में लगी है। इसके लिए टीम ने दिग्गज ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह की सेवाएं भी ली हैं। ओलंपिक क्वालीफायर रांची में अगले महीने 13 से 19 जनवरी के बीच खेला जाएगा। रुपिंदर अभ्यास सत्र के दौरान टीम को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने का कौशल सिखा रहे हैं। पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलना भारतीय टीम के लिए मुश्किल रहा है। हाल में एशियाई चैम्पियंस ट्राफी में भी भारतीय टीम की पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाने की कमजोरी सामने आई थी। इसी के बाद से ही कोच यानेके शॉपमैन ने इस क्षेत्र पर ध्यान देने पर जार दिया था। शीर्ष महिला ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर ने भी कहा कि इस शिविर से टीम को बेहद लाभ होगा। गुरजीत ने कहा कि हम हर दिन नयी चीजें सीख रहे हैं और सुधार करने वाले कुछ विशेष बातों पर ध्यान लगाकार अपने खेल में और सुधार कर रहे हैं। रूपिंदर ने हमारे मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हम आगामी टूर्नामेंट की तैयारियों में लगे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि यहां सीखे गये कौशल से हमें खेल में लाभ होगा। रूपिंदर ने कहा कि गुरजीत और दीपिका की सराहना करते हुए कहा कि वह बेहतरीन ड्रैग फ्लिकर हैं। और हर बात को तेजी से सीख लेती हैं।

टेस्ट में वार्नर का योगदान अहम : चैपल

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ग्रेग ने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि टेस्ट क्रिकेट में उनका योगदान अहम है। चैपल के अनुसार चाहे कोई कुछ भी कहे उनकी बल्लेबाजी शानदार रही है। साथ ही कहा कि हर प्रतियोगिता में उन्होंने जो जुनून, ऊर्जा, व्यावसायिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता दिखायी है। उसका कोई जवाब नहीं है क्योंकि लंबे समय तक खेल में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं है। चैपल ने कहा कि मुझे पता है कि 111 टेस्ट मैचों में उन्होंने जो कुछ किया है उसे करना कितना कठिन है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि वार्नर के आलोचक भी उनकी प्रतिभा और योगदान को स्वीकार करेंगे और उनकी मानवीय कमजोरियों को माफ कर देंगे। मुझे उम्मीद है कि सिडनी टेस्ट में वार्नर को सम्मानपूर्वक विदाई मिलेगी। साल 2011 में अपने पदार्पण के बाद से उन्होनें 111 टेस्ट मैचों में 44.6 की औसत से 8695 रन बनाए हैं, जिसमें 26 अर्द्धशतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं।चैपल ने कहा कि वॉर्नर शीर्ष क्रम में शानदार खिलाड़ी था क्योंकि वह एक सत्र में ही खेल का रुख मोड़ देता है। साल 2017 में एससीजी में पाकिस्तान के खिलाफ लंच से पहले लगाया गया उनका शतक कौन भूल सकता है। उन्होंने य शतक 78 गेंदों पर लगाया और इस प्रकार वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच के किसी भी दिन लंच से पहले शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। वार्नर ने अपनी जुझारू शैली से अपने सलामी जोड़ीदार के लिए भी हालात आसान बनाये। 70 की स्ट्राइक रेट के साथ ही इस बल्लेबाज ने विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं, वार्नर की तारीफ करते हुए कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड्स ने कहा कि समय के साथ उसका प्रदर्शन नीचे आया है पर वह हमारा तीनों प्रारूपों का सबसे महान खिलाड़ी बना रहेगा। वह अभी केवल टेस्ट प्रारुप से बाहर हो रहा है। मुझे पता है कि लोग कुछ समय से उसकी आलोचना कर रहे हैं पर हमारे लिए वह बेहद अहम है।

तीसरे टेस्ट में अयूब को अवसर दे सकती है पाक टीम

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में हार से निराश पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब तीन जनवरी से यहां शुरु हो रहे तीसरे क्रिकेट मैच में युवा सलामी बल्लेबाज सईम अयूब को उतार सकती है। अयूब ने अब तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। पाक टीम प्रबंधन अनुभवी सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक की धीमी बल्लेबाजी से संतुष्ट नहीं है, इस कारण उसने अयूब को अवसर देन का फैसला किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अयूब ने अब तक इस साल आठ टी20 मैच खेले हैं। वहीं उन्होंने प्रथम श्रेणी के केवल 14 मैच ही खेले हैं। पहले दो टेस्ट में टीम लचर बल्लेबाजी से मैच तय समय से पहले ही समाप्त हो गये थे इसी कारण टीम प्रबंध अब एक युवा खिलाड़ी को शामि करने का जोखिम उठाना चाहता है।

यूनाइटेड कप: जोकोविच ने झांग को हराकर सीज़न की विजयी शुरुआत की

पर्थ,

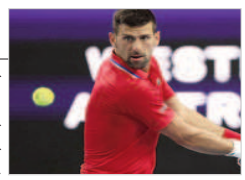

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट के प्रारंभिक लीग मुकाबले में अपना मैच जीतकर सर्बिया को चीन पर 1-0 की बढ़त दिला दी। पिछले सीज़न के अपने आखिरी मैच में, जोकोविच ने अपने खिताब की रक्षा करने के लिए 2023 एटीपी फाइनल्स के फाइनल में जानिक सिनर को हराया था।

शनिवार को, नए सीज़न के अपने पहले मैच में, एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 ने झांग झिज़ेन को 6-3, 6-2 से हराकर सर्बिया को पर्थ में चीन के साथ ग्रुप मुकाबले में 1-0 की बढ़त दिला दी। जोकोविच अपने खेल के सभी पहलुओं में बहुत मजबूत थे क्योंकि उन्होंने झांग के साथ अपनी पहली एटीपी आमने-सामने की भिड़ंत में 74 मिनट की जीत दर्ज की। जोकोविच ने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, पर्थ में वापस आना बहुत अच्छा है। नया साल कुछ ही घंटों में है, इसलिए मैं वास्तव में यहां कोर्ट पर हमारे साथ नए साल की पूर्वसंध्या मनाने के लिए आने के लिए आपकी सराहना करता हूं। मुझे पर्थ में रहते हुए 10 साल हो गए हैं, और यह मैदान निश्चित रूप से अंदर और बाहर से सबसे अच्छे मैदानों में से एक है, जिसमें मैंने खेला है। जाहिर तौर पर ऑस्ट्रेलिया मेरी खुशी की जगह रही है। वह स्थान जहां मैंने सबसे अधिक स्लैम जीतें हासिल कीं वह मेलबर्न है और मुझे वापस आना अच्छा लगता है। मैं पर्थ में भी खेलने से चूक गया। जोकोविच ने आरएसी एरिना के स्टैंड में सर्बियाई दल को खुश करने के लिए अर्जित सात ब्रेक प्वाइंट में से तीन को भुनाया। 2007 की शुरुआत से सीज़न के शुरुआती मैचों में अब वह 17-1 है। 36 वर्षीय जोकोविच कैलेंडर वर्ष समाप्त होने से पहले एक और मैच खेलेंगे जब वह रविवार शाम को मिश्रित युगल में ओल्गा डेनिलोविच के साथ जोड़ी बनाएंगे। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, शुरुआत में मैं थोड़ा अस्थिर था, पहले पांच या छह मैचों में थोड़ा लय से बाहर था, लेकिन यह सामान्य है।जब आप एक महीने से अधिक समय तक कोई आधिकारिक मैच नहीं खेलते हैं, तो जाहिर तौर पर इंजन को चालू करने में थोड़ा समय लगता है और वह अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगता है कि सर्विस मेरी तरफ से बहुत अच्छी थी, जब भी मुझे अपने सर्विस गेम्स में 15/15 या 30/30 पर खुद को परेशानी से बाहर निकालने की जरूरत पड़ी, मुझे एक अच्छी सर्विस मिली।

श्रीलंका ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए वानिंदु हसरंगा को बनाया कप्तान

कोलंबो ।

स्पिनर वानिंदु हसरंगा जिम्बाब्वे दौरे में श्रीलंकाई टी20 टीम की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपने एक फैसले में हसरंगा को कप्तान बनाये जाने की घोषण की। वहीं एकदिवसीय की कप्तानी दासुन शनाका की जगह पर बल्लेबाज कुसल मेंडिस को दी है। इसके साथ ही चरित असलंका को दोनो ही प्रारुपों के लिए उपकप्तान बनाया गया है। हसरंगा अगस्त में लंका प्रीमियर लीग के दौरान चोटिल होने की वजह से एशिया कप और 50 ओवरों में हिस्सा नहीं ले पाए थे पर अब उन्हें वापसी के साथ ही अहम जिम्मेदारी दी गयी है। चयनकर्ताओं के इस फैसले के साथ ही शनाका का श्रीलंका की सफेद गेंद वाली टीम के कप्तान के रूप में दो साल का कार्यकाल समाप्त हो गया। शनाका की चोट के बाद मेंडिस ने ही भारत में हुए विश्व कप के दूसरे मैच से एकदिवसीय टीम की कप्तानी संभाली थी। विश्वकप में हालांकि श्रीलंका का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और वह नौ मैचों में दो जीत के साथ 10 टीमों में से नौवें स्थान पर रही। उपुल थरंगा की अध्यक्षता में चयन समिति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी एकदिवसीय और टी20 घरेलू सीरीज के लिए प्रारंभिक टीमों का भी चयन किया है। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा कि अंतिम टीमों की घोषणा समय आने पर की जाएगी और खिलाड़ियों का चयन प्रारंभिक टीम से किया जाएगा। 6 जनवरी से श्रीलंका की टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। वहीं टी20 सीरीज की शुरुआथ 14 जनवरी से होगी।

द ट्रेइन्ड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (गुजरात शाखा) द्वारा सिविल अस्पताल के मरीजों के साथ वर्ष के आखिरी दिन एक अनोखे उत्सव को आयोजन

सूरत। द ट्रेइन्ड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया की गुजरात शाखा ने वर्ष 2024 की पूर्व संध्या पर 'सेवा परमो धर्म' की भावना के साथ सेवा गतिविधि के इरादे से किडनी बिल्डिंग में मिठाइयां और चॉकलेट बांटकर रंगारंग माहौल में 31वां जश्न मनाया। सूरत नवी सिविल अस्पताल के वार्ड. किया गया था. दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल वितरित की गई और गणमान्य लोगों ने अंगदान-महादान पोस्टर और प्ले कार्ड के साथ जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया। पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष परेशभाई पटेल ने कहा कि युवाओं, बुजुर्गों और युवाओं में नए साल को लेकर काफी उत्साह है। उस वक्त अस्पताल में भर्ती बच्चों ने 2023 को अलविदा और पुराने साल 2024 का स्वागत करते हुए अनोखा जश्न मनाया. वार्ड में परिवार के साथ जश्न मनाया गया। समारोह में मेडिकल फैकल्टी डीन और सिंडिकेट सदस्य डॉ. महेंद्रसिंह चौहान, नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला, आरएमओ डॉ. उपस्थित थे। डॉ. केतन नायक, मेडिसिन विभागाध्यक्ष। क। एन.भट्ट, नर्सिंग कॉलेज की प्रोफेसर किरण डोमडिया, नर्सिंग एसो. विभोर चुघ सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी, प्रोफेसर मौजूद रहे।

ग्लोबल टेक्सटाइल मार्केट में अखंड रामायण पाठ भंडारा संपन्न हुआ

सुरत भुमि, सूरत। सहारा दरवाजा स्थित ग्लोबल टेक्सटाइल मार्केट में नववर्ष 2024 के आगमन के उपलक्ष्य में अखंड रामायण पाठ भंडारा आयोजित किया गया। ग्लोबल मार्केट के पार्सल मजदूर हर वर्ष नववर्ष के उपलक्ष्य में देश की सुख, शांति, उन्नति और भाईचारे के लिए सामूहिक रूप से अखंड रामायण पाठ भंडारा कार्यक्रम का आयोजन करते हैं हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी नववर्ष के उपलक्ष्य में अखंड रामायण पाठ भंडारा का आयोजन किया गया था जिसमे सूरत जिला टेक्सटाइल मार्केटिंग ट्रांसपोर्ट लेबर यूनियन के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा, प्रवक्ता शान खान, महासचिव देवप्रकाश पांडे, साकेत ग्रुप के अध्यक्ष सवारप्रसाद बुधिया, ग्लोबल मार्केट प्रबंधक पुष्कर अधिकारी, हनुमान प्रसाद शुक्ला, पवन पांडेय समेत अन्य लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई थी। डब्बू शुक्ला, राहुल पांडे, रिंकू दुबे, पवन कुमार तिवारी, संतोष दुबे, के सफल आयोजन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

श्री राम अमृत कलश यात्रा का आयोजन 18 जनवरी को

सुरत भुमि, सूरत। सूरत से अयोध्या के लिए ताप्ती में से जल लेकर अयोध्या के लिए श्री राम अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया है आयोजक श्री पंडित मुरलीधर पाठक ने बताया कि 18 जनवरी 2024 प्रातः 9:00 बजे से ताप्ती मैया का जल भर के अंबिका निकेतन अठवा गेट पर पूजन करते हुए शोभा यात्रा पुलिस कमिश्नर कचहरी पर कलश शोभा यात्रा का स्वागत किया जाएगा इसके पश्चात अयोध्या धाम के लिए कलश रवाना होगा शहर वासियों से नंबर विनती है कि इस श्री राम अमृत कलश यात्रा में सहभागी बने।

दिव्य कला मेले के तीसरे दिन आसिफ और आफताब गीतों से दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

सुरत भुमि, सूरत। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार नियमित रूप से देश भर के दिव्यांग उद्यमियों/कारीगरों के उत्पादों और शिल्प कौशल को प्रदर्शित करने वाले अद्वितीय कार्यक्रम दिव्य कला मेला का आयोजन के चौथे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। दिल्ली के दिव्यांग गायक आसिफ अली और आफताब का गायन की प्रस्तुति हुई। दिव्य कला मेले में सुबह से शाम तक दर्शकों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी जो दिव्यांगों के द्वारा बनाए हस्तशिल्प एवं कई उद्योग की चीजे देख तारीफ कर रहे थे। यह एक अवसर होगा सभी 'स्थानीय के लिए मुखर' होंगे और दिव्यांग कारीगरों द्वारा उनके अतिरिक्त दृढ़ संकल्प के साथ बनाए गए उत्पादों को देखा/खरीदा जा सकता है। यह दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की एक अनूठी पहल है। आज के सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री महेंद्र वेघेरिया,निर्देशक सूचना विभाग,सूरत मौजूद थे।

नंदूबा इंग्लिश एकेडमी स्कूल का वार्षिकोत्सव सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा थीम पर आयोजित किया गया

सुरत भुमि, सूरत। डीसी पटेल नवनिर्माण एजुकेशन कैंपस, सीबी पटेल स्पोर्ट कैंपस द्वारा संचालित नंदुबा इंग्लिश एकेडमी स्कूल में दो दिनों तक वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया. वार्षिक उत्सव च्सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमाराज्ज की थीम पर आयोजित किया गया था।

28 और 29 दिसंबर को दो दिवसीय वार्षिक उत्सव में नंदुबा इंग्लिश अकादमी के 10,000 से अधिक छात्रों के साथ-साथ पहली बार माता-पिता बने छात्रों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इस थीम पर आधारित सभी प्रतिभागी छात्रों द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य प्रस्तुत किये गये। विद्यार्थियों ने मणिपुर, गुजरात का गार्बो, कथक घूमर, ओडिशा राज्य का लोक नृत्य, स्वच्छ भारत अभियान चंद्रयान जैसे विषयों पर विभिन्न प्रस्तुतियां देकर आकर्षण का केंद्र बने। नंदुबा इंग्लिश अकादमी के वार्षिक समारोह में अध्यक्ष पंकजभाई गिजुभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में ट्रस्टी और स्कूल के अन्य प्रिंसिपल और गणमान्य व्यक्तियों के साथ उपस्थित थे।

नंदुबा इंग्लिश एकेडमी स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि यह वार्षिक उत्सव एक अनोखा वार्षिक उत्सव है जिसमें बच्चे मंच पर प्रदर्शन करते हैं और अभिभावकों को भी अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है और छात्रों को चंद्रयान सहित भारत में वर्तमान मुद्दों के बारे में पता चलता है। इस वार्षिक उत्सव के माध्यम से छात्रों को स्वच्छ भारत मिशन, जी20 और विभिन्न राज्यों की संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कराने के उद्देश्य से भी आयोजन किया जाता है।

"यारियाँ-यादें बचपन की" का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। एकल युवा द्वारा नववर्ष के उपलक्ष में रविवार को "यारियाँ-यादें बचपन की" कार्यक्रम का आयोजन सुबह साढ़े सात बजे से वेसु केनाल रोड स्थित MAB फार्महाउस में किया गया । आयोजन में बच्चों से लेके बड़ों के लिए 1990 के समय के खेलों का आयोजन किया गया । इस मौके पर पुरानी यादें थीम पर फार्महाउस को सजाया गया । सभी को पुराने समय की टॉफी, आइसक्रीम, ज्यूस आदि दिए गए । एकल युवा द्वारा इस मौके पर सभी लोगों से अपने दोस्तों को पोस्टकार्ड भी लिखवाये गए । आयोजन में तीन सौ से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया । आयोजन के दौरान एकल वनबंधु एवं एकल युवा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

फैमिली फिजिशियन एसोसिएशन, सूरत जिला वार्षिक सम्मेलन में मेडिक्विज का आयोजन किया

सूरत। फैमिली फिजिशियन एसोसिएशन, सूरत जिला वार्षिक सम्मेलन (एफपीसीओएन-24) अध्यक्ष/आयोजन अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र प्रजापति, स्वागत समिति अध्यक्ष डॉ. रमेश जैन, संगठन सचिव डॉ. विनोदराय पटेल, डॉ. मनसुख गतीवाला एवं कोषाध्यक्ष प्रणय राणा, वैज्ञानिक कॉम. अध्यक्ष. डॉ. हरेश भावसार ने बताया कि 30 दिसंबर 2023 को एफपीसीओएन-24 कमेटी ने गैलेक्सी रेस्टोरेंट में मेडिक्विज का आयोजन किया, ताकि डॉक्टरों का ज्ञान अपडेट रहे। जयेश तमकूवाला, डॉ. दीपक तोरावाला, डॉ. मधुसूदन उमरजी और FPCON-24 की पूरी समिति ने कड़ी मेहनत की और कार्यक्रम को सफल बनाया। जिसमें रेफरी वरिष्ठ डॉ. इंद्रवदन साह एवं डॉ. थे। शैलेश गांधी उपस्थित रहे और पूरा मार्गदर्शन दिया गया।

जिसमें विशिष्ट टीमों को विजेता घोषित किया जाता है

प्रथम विजेता टीम-:
1)डॉ. मुकेश पारासर
2) डॉ. हरित त्रिवेदी

द्वितीय विजेता टीम-:
1)डॉ. आर.पी. शेर
2) डॉ. नीता बंसल

तृतीय विजेता टीम-:
1) डॉ. भूमिल देसाई
2)डॉ.विमल

सुरत भुमि, सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा नव-वर्ष 2024 के शुभ आगमन पर वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में भजन संध्या का आयोजन रात्रि आठ बजे से किया गया । इस मौक़े पर बाबा श्याम, सालासर दरबार एवं शिव परिवार का विशेष शृंगार किया गया । भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार पवन मुरारका एवं अहमदाबाद से आमंत्रित गायक कलाकार राजवर्धन सुथार द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी गयी । इस दौरान "ना डिस्को जायेंगे, ना होटल जायेंगे..., नया साल सांवरिया तेरे साथ मनायेगें....." पर सभी भक्त भाव-विभोर हो झूम उठे । देर रात तक चली भजन संध्या में भारी संख्या में भक्त उपस्थित रहें ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)